जनहितैषी

जनहितैषी अब janhitaishinews.com पर भी

हिन्दी दैनिक

R.N.I. No. 63177/95 वर्ष:29 अंक:177 दिनांक: 08-06-2024 शनिवार मूल्य:1 रूपया 50 पैसा पृष्ठ:4 अहमदाबाद M

चुनाव में एनडीए की जीत के बाद नरेंद्र मोदी लगातार तीसरी बार रविवार को देश के प्रधानमंत्री पद की शपथ लेंगे। बता दें राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मु उन्हें पद की गोपनीयता की शपथ दिलाएंगी।

भारतीय मूल की अंतरिक्ष यात्री सुनीता विलियम्स स्पेस स्टेशन पहुंचते ही खुशी से झूम उठीं। फ्लोरिडा के केप कैनावेरल स्पेस फोर्स स्टेशन से लॉन्च करने के लगभग 26 घंटे बाद उन्होंने बोइंग अंतरिक्ष यान को सफलतापूर्वक आईएसएस तक पहुंचा दिया।

मोदी चुने गए एनडीए के नेता, एनडीए ने पेश किया सरकार बनाने का दावा, राष्ट्रपति मुर्मू ने दिया नई सरकार बनाने का न्योता, 9 जून को शपथ ग्रहण

- संसदीय दल का नेता चुने जाने के बाद मोदी ने लिया आडवाणी व जोशी का आशीर्वाद, पूर्व राष्ट्रपति रामनाथ कोविंद से मुलाकात की

नई दिल्ली (ईएमएस)। केंद्र में नई सरकार के गठन की कवायद तेज हो गई है। दिल्ली में एनडीए संसदीय दल की बैठक में नरेंद्र मोदी को नेता चुना गया। इसके बाद मोदी, पार्टी के वयोवृद्ध नेता लालकृष्ण आडवाणी, मुरली मनोहर जोशी का आशीर्वाद लेने पहुंचे, फिर पूर्व राष्ट्रपति रामनाथ कोविंद से मुलाकात की। वहीं, एनडीए के बड़े नेता राष्ट्रपति भवन गए और सरकार गठन का दावा पेश कर दिया। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने एनडीए के नेता नरेंद्र मोदी को सरकार बनाने का न्योता दिया है। ऐसे में कहा जा रहा है कि इस बार मोदी की जगह एनडीए सरकार बनेगी। नरेंद्र मोदी 9 जून को शाम 5 बजे तीसरी बार प्रधानमंत्री पद की शपथ लेंगे।

राष्ट्रपति से मुलाकात के बाद नरेंद्र मोदी ने कहा कि पिछले दो टर्म में जिस तरह से देश आगे बढ़ा, तीसरे कार्यकाल में उसी गति से देश आगे बढ़ेगा। उन्होंने कहा कि पिछले 10 साल में काम करने का जो अनुभव मिला है, उससे नए टर्म में काम करने में परेशानी नहीं होगी। नरेंद्र मोदी ने अपने भाषण में कहा कि, दुनिया अनेक संकटों गुजर रही है। तनावों और आपदाओं से गुजर रही है। ऐसी विकट परिस्थित दुनिया ने बहुत लंबे समय बाद देखी है। हम भारतवासी खुशनसीब हैं, कि इतने बड़े संकटों के बाद भी हम आज विश्व की सबसे तेज बढ़ने वाली इकॉनमी के रूप में जाने गए है। अब एक स्टेबल सरकार मिलने के बाद, नए बदलाव आएंगे। मुझे विश्वास है कि इससे देश की युवा पीढ़ी को सबसे ज्यादा लाभ होगा। इससे पहले संसद भवन में एनडीए संसदीय की बैठक हुई। नीतीश कुमार और चंद्रबाबू नायडू की मौजूदगी में बैठक आरंभ हुई। पहले राजनाथ सिंह ने संसदीय दल के नेता के लिए नरेंद्र मोदी के नाम का प्रस्ताव रखा। फिर अमित शाह और नितिन गडकरी के साथ ही नीतीश कुमार, चंद्रबाबू नायडू समेत तमाम बड़े नेताओं ने इसका समर्थन किया। प्रस्ताव पारित होते ही नरेंद्र मोदी संसदीय दल के नेता चुन लिए गए। इस अवसर पर नरेंद्र मोदी ने एनडीए को न्यू, डेवलप्ड, एस्पिरेशनल इंडिया बताया। कहा कि कुछ लोगों का काम चुनाव प्रक्रिया पर सवाल उठाना है, लेकिन ईवीएम ने सभी को जवाब दे दिया।

रविवार को तीसरी बार पीएम पद की शपथ लेंगे

इससे पहले इस बीच वरिष्ठ भाजपा नेता प्रहलाद जोशी ने एनडीए संसदीय दल की बैठक में कहा कि नरेंद्र मोदी रविवार को तीसरी बार प्रधानमंत्री पद की शपथ लेंगे। मोदी को अपना नेता चुनने के लिए यहां पुराने संसद भवन के सेंट्रल हॉल में एकत्रित एनडीए नेताओं से जोशी ने कहा कि शपथ ग्रहण समारोह 9 जून को शाम 6 बजे होगा। एनडीए सांसदों के अलावा भाजपा शासित राज्यों के मुख्यमंत्रियों और गठबंधन के वरिष्ठ नेता बैठक में मौजूद थे।

ब्रेकिंग न्यूज के आधार पर देश नहीं चलेगा

नरेंद्र मोदी ने मीडिया में चल रही मंत्रिमंडल की अटकलों पर बात की। उन्होंने कहा कि सभी सांसद ब्रेकिंग न्यूज पर ध्यान न दें, क्यों कि इसके आधार पर देश नहीं चलने वाला है। मोदी ने कहा कि लोग आपके पास आएंगे और कहेंगे कि वे आपको कैबिनेट में जगह दिला सकते हैं। अब तकनीक ऐसी है कि मेरे हस्ताक्षर वाली सूची भी सामने आ सकती है। मेरा आपसे आग्रह है कि ये सभी प्रयास बेकार हैं। मैं सभी सांसदों से आग्रह करता हूं कि वे इन साजिशों का शिकार न बनें।

नरेंद्र मोदी के एनडीए के नेता चुने जाने के बाद नायडू और नीतीश कुमार ने कहा कि आपको हमारा पूरा समर्थन है। नीतीश कुमार ने कहा कि 10 साल से ये प्रधानमंत्री हैं फिर प्रधानमंत्री बनने जा रहे हैं। पूरे देश की सेवा है। पूरा भरोसा है, जो कुछ भी बचा है अगली बार ये सब पूरा कर देंगे। जो भी राज्य का है, हम लोग पूरे तौर पर सब दिन इनके साथ रहेंगे। मैंने देखा है कि इधर-उधर कुछ लोग जीत गए हैं। अगली बार जो आएंगे तो सब हार जाएंगे। नीतीश ने आगे कहा कि उनलोगों (विपक्ष) ने आजतक कोई काम नहीं किया है। देश बहुत आगे बढ़ेगा। बिहार का सब काम हो ही जाएगा। एनडीए संसदीय दल की बैठक में टीडीपी प्रमुख चंद्रबाबू नायडू ने कहा कि हम सभी को बधाई दे रहे हैं क्योंकि हमने शानदार बहुमत हासिल किया है। मैंने चुनाव प्रचार के दौरान देखा है कि 3 महीने तक पीएम मोदी ने कभी आराम नहीं किया। उन्होंने दिन-रात प्रचार किया। उन्होंने उसी भावना के साथ शुरुआत की और उसी भावना के साथ खत्म किया। आंध्र प्रदेश में हमने 3 सार्वजनिक बैठकें और 1 बड़ी रैली की। इससे आंध्र प्रदेश में चुनाव जीतने में बहुत बड़ा अंतर पैदा हुआ। पीएम मोदी देश के लिए काम करें, हमारा उन्हें पूरा समर्थन है।

नेपाल ने 11 देशों से अपने राजदूत वापस बुलाए

काठमांडू, (ईएमएस)।नेपाल सरकार ने 11 देशों से अपने राजदूत वापस बुला लिए हैं। इनमें भारत और अमेरिका में नेपाली कांग्रेस कोटे के तहत तैनात राजदूत भी शामिल हैं। ये फैसला नेपाली प्रधानमंत्री पुष्प कमल दहल प्रचंड ने पार्टी से गठबंधन तोड़ने और केपी शर्मा ओली से हाथ मिलाने के तीन महीने बाद लिया है। उप प्रधानमंत्री और विदेश मामलों के मंत्री नारायण काजी श्रेष्ठ की आपत्तियों के बावजूद, नेपाल सरकार ने गुरुवार को राजदूतों को वापस बुला लिया। इनमें भारत में तैनात नेपाल के राजदूत शंकर शर्मा भी शामिल हैं। नेपाल सरकार ने यह कदम नेपाली प्रधानमंत्री प्रचंड की रविवार को भारत की संभावित यात्रा से पहले उठाया है। जो कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के शपथ ग्रहण समारोह में शामिल होने भारत आ सकते हैं।

ब्याज दरों में लगातार आठवीं बार बदलाव नहीं ,लोन महंगे नहीं होंगे, ईएमआई भी नहीं बढ़ेगी

नई दिल्ली (ईएमएस)।भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) ने लगातार आठवीं बार ब्याज दरों में बदलाव नहीं किया है। आरबीआई ने ब्याज दरों को 6.5 प्रतिशत पर जस का तस रखा है। यानी लोन महंगे नहीं होंगे और आपकी ईएमआई भी नहीं बढ़ेगी। आरबीआई ने आखिरी बार फरवरी 2023 में दरें 0.25 प्रतिशत बढ़ाकर 6.5 प्रतिशत की थीं।

5 जून से चल रही मॉनेटरी पॉलिसी कमेटी की मीटिंग में लिए गए फैसलों की जानकारी आरबीआई गवर्नर शक्तिकांत दास ने शुक्रवार को दी। ये मीटिंग हर दो महीने में होती है। आरबीआई ने इससे पहले अप्रैल में हुई बैठक में ब्याज दरों में कोई बढ़ोतरी नहीं की थी। वित्त वर्ष 2022-23 की पहली मीटिंग अप्रैल-2022 में हुई थी। तब आरबीआई ने रेपो रेट को 4 प्रतिशत पर स्थिर रखा था, लेकिन आरबीआई ने 2 और 3 मई को इमरजेंसी मीटिंग बुलाकर रेपो रेट को 0.40 प्रतिशत बढ़ाकर 4.40 प्रतिशत कर दिया था। 22 मई 2020 के बाद रेपो रेट में ये बदलाव हुआ था। इसके बाद 6 से 8 जून को हुई मीटिंग में रेपो रेट में 0.50 प्रतिशत इजाफा किया। इससे रेपो रेट 4.40 प्रतिशत से बढक़र 4.90 प्रतिशत हो गई। फिर अगस्त में इसे 0.50 प्रतिशत बढ़ाया गया, जिससे ये 5.40 प्रतिशत पर पहुंच गई। सितंबर में ब्याज दरें 5.90 प्रतिशत हो गई। फिर दिसंबर में ब्याज दरें 6.25 प्रतिशत पर पहुंच गईं। इसके बाद वित्त वर्ष 2022-23 की आखिरी मॉनेटरी पॉलिसी की मीटिंग फरवरी में हुई, जिसमें ब्याज दरें 6.25 प्रतिशत से बढ़ाकर 6.50 प्रतिशत कर दी गई थीं।

महंगाई दर पर निगरानी रखने की जरूरत

उन्होंने ईंधन की कीमतों में गिरावट के रुख के लिए एलपीजी कीमतों में कटौती को जिम्मेदार ठहराया। इसके अलावा, उन्होंने खाद्य कीमतों में वृद्धि की वैश्विक प्रवृत्ति पर प्रकाश डालते हुए कहा कि इससे व्यापक बाजार में बदलाव दिख सकता है। उन्होंने कहा कि खाद्य कीमतों में अनिश्चितता पर नजर बनाए रखने की जरूरत है।

आरबीआई गवर्नर ने कहा कि जरूरत के मुताबिक लिक्विडिटी पर फैसला लिया जाएगा। उन्होंने कहा कि कोर महंगाई दर पर निगरानी रखने की जरूरत है। आरबीआई गवर्नर ने कहा कि वित्तीय वर्ष 2024-25 में रुपये में कम उतार-चढ़ाव देखने को मिलेगा। एफवाय25 की दूसरी तिमाही में जीडीपी ग्रोथ का अनुमान 6.9 प्रतिशत से बढ़ाकर 7.2 प्रतिशत कर दिया गया है।

वैशाखी पर सरकार.....फिर भी अहम मंत्रालय अपने पास रखेगी मोदी सरकार -रक्षा, वित्त, गृह और विदेश मंत्रालय बीजेपी के पास

नई दिल्ली (ईएमएस)। पीएम मोदी के तीसरी बार प्रधानमंत्री बनने की तैयारी के बीच मंत्रिमंडल की माथापच्ची शुरु हो गई है। बीजेपी इस बार अपने दम पर बहुमत हासिल नहीं कर सकी, इसलिए सहयोगी पार्टियों की भी सुननी होगी।

माना जा रहा है कि टीडीपी को 4, जेडीयू को 3, एलजेपी और शिवसेना को 2-2 मंत्री पद मिल सकते हैं। हालांकि, नीतीश ने 4 कैबिनेट और एक राज्यमंत्री पद की डिमांड रखी है। खबरें हैं कि बीजेपी के बाद एनडीए की सबसे बड़ी पार्टी टीडीपी और जेडीयू स्पीकर के पद साथ वित्त मंत्रालय मांग रहे हैं। इसकी वजह है कि जांच एजेंसी ईडी वित्त मंत्रालय के तहत आती है। हालांकि, बीजेपी सूत्र बता रहे हैं कि रक्षा, वित्त, गृह और विदेश मंत्रालय बीजेपी अपने पास ही रखेगी। ये फैसला पार्टी के अध्यक्ष जेपी नड्डा के घर हुई बैठक में लिया गया है। बीजेपी स्पीकर का पद भी अपने पास रखेगी। साथ ही चुनाव जीतने वाले सभी मंत्री रिपीट हो सकते हैं। मध्यप्रदेश के पूर्व मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान को बड़ी भूमिका मिल सकती है। वित्त मंत्रालय की जिम्मेदारी निर्मला सीतारमण की जगह पीयूष गोयल को दी जा सकती है। हालांकि, अभी मंत्रियों का पोर्टफोलियो तय नहीं हुआ है। नई कैबिनेट में दो महिला मंत्री भी शामिल की जा सकती हैं। इनमें दिल्ली से सांसद बांसुरी स्वराज को राज्यमंत्री बनाया जा सकता है। ओडिशा से अपराजिता सारंगी के कैबिनेट में आने की पूरी संभावना है। वे भुवनेश्वर से लगातार दूसरी बार सांसद चुनी गई हैं। कर्नाटक से जेडी(एस) सांसद एचडी कुमारस्वामी को मंत्री बनाया जा सकता है।

इनके अलावा गोवा से लगातार छठवीं बार सांसद बने श्रीपद नाईक को भी मंत्रिमंडल में जगह मिल सकती है। जम्मू-कश्मीर से डॉ. जीतेंद्र सिंह, हरियाणा से राव इंद्रजीत, दिल्ली से रामवीर सिंह बिधूड़ी को मंत्री बनाया जा सकता है।

उत्तर भारत में भीषण गर्मी, नहीं थम रहा हीटवेव का कहर, जगह आंधी के साथ बारिश के आसार

नई दिल्ली (ईएमएस)। उत्तर भारत के ज्यादातर इलाकों में इन दिनों भीषण गर्मी पड़ रही है। पिछले दिनों उत्तर-पश्चिमी भारत में अधिकतम तापमान 50 डिग्री तक पहुंच गया था, हालांकि अब अधिकतम तापमान में कमी आई है। इसके बावजूद गर्मी और हीटवेव लोगों को परेशान कर रही है। भारत मौसम विज्ञान विभाग ने अगले 5 दिनों तक देश के कुछ स्थानों पर हीटवेव की संभावना जताई है। वहीं अगले दो दिनों के दौरान देश के कुछ स्थानों पर बारिश के साथ ही आंधी-तूफान की संभावना है। हालांकि दक्षिण भारत का हाल बिलकुल अलग है। मानसून के आगे बढ़ने के साथ ही दक्षिण भारत में जमकर बारिश हो रही है। दक्षिण-पश्चिम मानसून गुरुवार को महाराष्ट्र पहुंच गया है और 10 जून तक इसके मुंबई पहुंचने का अनुमान लगाया जा रहा है। भीषण गर्मी से परेशान उत्तर भारत के लोगों को भी अब मानसून आने का बेसब्री से इंतजार है।

मौसम विभाग ने अगले 5 दिनों के लिए हीटवेव को लेकर चेतावनी दी है। विभाग के मुताबिक, अगले 5 दिनों के दौरान पूर्वी भारत, उत्तर प्रदेश और उत्तर-पूर्व मध्य प्रदेश के अलग-अलग हिस्सों में लू चलने की संभावना है।

पूर्वोत्तर मध्यप्रदेश और झारखंड के अलग-अलग इलाकों में 8 से 11 जून, बिहार में 9 और 10 जून और ओडिशा, पंजाब, हरियाणा में 9 से 11 जून के दौरान लू चलने की संभावना है। वहीं उत्तरप्रदेश के अलग-अलग हिस्सों में 08 से 11 जून के दौरान कुछ हिस्सों में भीषण लू चलने की संभावना जताई गई है।

राहुल गांधी को मिली जमानत

कर्नाटक भाजपा ने लगाया था मानहानि का आरोप

बंगलूरू(ईएमएस)।कांग्रेस नेता राहुल गांधी कर्नाटक भाजपा के मानहानि मामले में शुक्रवार को विशेष अदालत के समक्ष पेश हुए। यहां कोर्ट ने उन्हें जमानत दे दी। डीके सुरेश की सुरक्षा के आधार पर राहुल गांधी को जमानत दी गई है। मामले की अगली सुनवाई 30 जुलाई को होगी।

दरअसल, राहुल पर समाचार पत्रों में मानहानिकारक विज्ञापन जारी करने का आरोप है। पिछले साल विस चुनावों से पहले दिए गए विज्ञापन में राज्य की तत्कालीन भाजपा सरकार पर 2019-2023 के दौरान बड़े पैमाने पर भ्रष्टाचार में लिप्त होने का आरोप लगाया गया था।

मॉब-लिंचिंग, 2 युवकों की मौत

-मवेशी ले जाने पर 10-12 लडक़ों ने पीछा किया फिर जमकर पीटा

रायपुर ईएमएस)।छत्तीसगढ़ में दो युवकों की मॉब लिंचिंग में मौत हो गई है। बताया जा रहा है कि गुरुवार-शुक्रवार की दरमियानी रात को आरंग थाना इलाके में 3 लोग ट्रक में मवेशी भरकर ले जा रहे थे। इसी दौरान 10 से 12 लडक़ों ने उनका पीछा किया और फिर ट्रक को महानदी पुल पर घेर लिया। इसके बाद कई लडक़ों ने ट्रक में सवार 3 लोगों की जमकर पिटाई कर दी।

इनमें से एक युवक की लाश महानदी में मिली वहीं एक की इलाज के दौरान मौत हो गई। तीसरे युवक गंभीर रूप से घायल जिसका रायपुर के निजी अस्पताल में इलाज जारी है। फिलहाल दोनों शव को पोस्टमॉर्टम के लिए भेजा गया है। रिपोर्ट के बाद मौत की असल वजह सामने आ पाएगी।

ट्रक सवार यूपी के सहारनपुर के रहने वाले

जानकारी के मुताबिक, ये पूरी घटना शुक्रवार रात ढाई बजे के करीब की है। कुछ लडक़ों को सूचना मिली कि एक ट्रक में मवेशी भरकर 3 लोग उसकी तस्करी कर रहे हैं। उन्होंने ट्रक का पीछा किया। ट्रक दुर्ग पासिंग का था। आरंग थाना इलाके के महानदी पुल के ऊपर ट्रक पहुंचते ही उसे कई लडक़ों ने ओवरटेक कर घेर लिया।

शाकाहारी थाली एक साल में नौ फीसदी महंगी, मांसाहारी सस्ती

नई दिल्ली (ईएमएस)। शाकाहारी थाली एक साल में 9 फीसदी महंगी हो गई है। हालांकि, मांसाहारी थाली की कीमत में ?गिरावट देखी गई है। एक रिपोर्ट के अनुसार मई, 2023 में शाकाहारी थाली की कीमत 25.5 रुपये थी, जो इस साल मई में बढ़कर 27.80 रुपये पहुंच गई है। वहीं मांसाहारी थाली 7 फीसदी सस्ती होकर 55.90 रुपये पर आ गई।?हालांकि, मासिक आधार पर शाकाहारी थाली एक फीसदी ही महंगी हुई है। टमाटर, आलू और प्याज की बढ़ती कीमतों से शाकाहारी थाली महंगी हुई है। रिपोर्ट के मुताबिक टमाटर के दाम एक साल में 39 फीसदी, आलू के 41 फीसदी और प्याज के 43 फीसदी बढ़े हैं। मांसाहारी थाली की कीमत में गिरावट का श्रेय ब्रॉयलर को जाता है। एक साल में इसकी कीमत 16 फीसदी तक घटी है।

ट्रिब्यूनल ने प्रफुल्ल पटेल के खिलाफ ईडी की कार्रवाई को अवैध बताया, 180 करोड़ की संपत्ति वापस मिली

मुंबई (ईएमएस)। राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी के अजित पवार गुट के नेता प्रफुल्ल पटेल को मनी लॉन्ड्रिंग केस में बड़ी राहत मिली है। ट्रिब्यूनल ने प्रवर्तन निदेशालय को प्रफुल्ल पटेल की जब्त संपत्ति को छोड़ने का आदेश दिया है। ईडी ने प्रफुल्ल पटेल के मुंबई स्थित सीजे हाउस में 12 वें और 15 वें फ्लोर के कुछ फ्लैट्स को प्रिवेंशन ऑफ मनी लॉन्ड्रिंग एक्ट के तहत अटैच किया था, जिसके बाद अब अपीलेट ट्रिब्यूनल ने उन्हें वापस लौटाने का आदेश दिया है।

प्रफुल्ल पटेल के इन फ्लैट्स की कीमत करीब 180 करोड़ रुपए है, जो उनकी पत्नी वर्षा और उनकी कंपनी मिलेनियम डेवलपर के नाम पर रजिस्टर थी। ईडी ने आरोप लगाया था कि ये संपत्तियां ड्रग माफिया इकबाल मिर्ची की विधवा से अवैध लेनदेन के जरिए हासिल की गई थीं।

सोनिया ने दूर किया कन्फ्यूजन.....रायबरेली नहीं वायनाड छोड़ने को तैयार राहुल गांधी

नई दिल्ली (ईएमएस)।ये तय हो गया है कि राहुल गांधी मां सोनिया की सीट रायबरेली अपने पास रखने को तैयार है। वे वायनाड छोड़ सकते हैं। कांग्रेस की पहली बैठक और परिवार के साथ रायशुमारी के बाद उन्होंने यह फैसला किया। पार्टी सूत्रों के मुताबिक, राहुल दोनों सीटों में से कौन सी सीट चुनें, उनके कन्फ्यूजन को सोनिया गांधी ने दूर किया। सोनिया ने राहुल को समझाया कि यूपी कांग्रेस के लिए बेहद जरूरी है। इसकारण उन्हें रायबरेली अपने पास रखना चाहिए।

बताया जा रहा हैं कि प्रियंका गांधी वाड्रा फिर से यूपी प्रदेश प्रभारी की जिम्मेदारी संभाल सकती हैं। पिछले विधानसभा चुनाव में हार के बाद उन्होंने इस पद को छोड़ दिया था। राहुल के सीट छोड़ने पर प्रियंका वायनाड से उपचुनाव लड़ सकती हैं। गांधी परिवार इसके जरिए उत्तर के साथ दक्षिण में पकड़ मजबूत रखना चाहता है।

पार्टी के नेता ने बताया कि मां सोनिया, बहन प्रियंका और जीजा रॉबर्ट वाड्रा से बातचीत करके रायबरेली नहीं छोड़ने पर सहमत हो गए हैं। परिवार ने समझाया कि रायबरेली की जीत इस लिहाज से भी बड़ी है कि परिवार ने अमेठी की खोई सीट भी हासिल कर ली। रायबरेली में राहुल को वायनाड से बड़ी जीत मिली।

मणिपुर के दो जिलों में फिर लगा कर्फ्यू

इंफाल। मणिपुर के जिरीबाम और तामेंगलोंग जिलों में अनिश्चितकाल के लिए कर्फ्यू लगा दिया गया है। अधिकारियों ने शुक्रवार को बताया कि एक व्यक्ति की हत्या के विरोध में हुए विरोध प्रदर्शनों के बाद यह फैसला लिया गया है।

पुलिस के अधिकारी ने बताया कि गुरुवार रात जिरीबाम में सोइबाम सरत कुमार सिंह का शव मिला था। शव पर जख्म के कई निशान थे। इसके बाद स्था नीय लोगों ने विरोध प्रदर्शन किया। आगजनी भी की गई। प्रदर्शनकारियों ने जिरीबाम में अपने लाइसेंसी हथियारों को वापस करने की मांग की। हाल ही में हुए लोकसभा चुनावों के मद्देनजर हथियार जमा कर दिए गए थे। ह पुलिस ने भीड़ को तितर-बितर करने के लिए लाठीचार्ज किया। स्थिति को नियंत्रित करने के लिए जिरीबाम जिले में असम राइफल्स, केंद्रीय रिजर्व पुलिस बल और मणिपुर पुलिस के अधिकारियों का संयुक्त नियंत्रण कक्ष स्थापित किया गया है।

राष्ट्रीय लोकतांत्रिक पार्टी इंडिया गठ बंधन में शामिल है- हनुमान बेनीवाल

जोधपुर (ईएमएस)! इंडिया गठबंधन का हिस्सा राष्ट्रीय लोकतांत्रिक पार्टी के सुप्रीमो और राजस्थान के नागौर लोकसभा सीट से नवनिर्वाचित सांसद हनुमान बेनीवाल ने कहा है कि राष्ट्रीय लोकतांत्रिक पार्टी इंडिया गठबंधन में शामिल है। उन्होंने आरोप लगाया कि इंडिया गठबंधन की बैठक में राष्ट्रीय लोकतांत्रिक पार्टी और उन्हें नजरअंदाज किया जा रहा है। इस कारण उनकी इंडिया गठबंधन से नाराजगी है।

इससे पहले सूत्रों ने बताया था कि हनुमान बेनीवाल कल एनडीए की बैठक में शामिल हो सकते हैं। इंडिया गठबंधन की बैठकों में नहीं बुलाए जाने पर हनुमान बेनीवाल ने कहा कि आज इंडिया गठबंधन में हूं, कल क्या होगा किसी को भरोसा नहीं। बाद में उन्होंने यह भी कहा था कि मैं बीजेपी के साथ नहीं जाउंगा। इंडिया के साथ ही रहूंगा।

हनुमान बेनीवाल पहले भी एनडीए का हिस्सा रह चुके हैं। हालांकि, इस लोकसभा चुनाव से पहले वे एनडीए से अलग हो गए और कांग्रेस के गठबंधन किया था। लोकसभा चुनाव में जीत दर्ज करने के बाद हनुमान बेनीवाल ने कहा था कि जब मैं एनडीए से अलग हुआ था, तब उन्होंने कहा था कि आप हमारी वजह से जीते हो, तब मैंने कहा था कि इस बार आप आना और जीत कर दिखाना।

उन्होंने कहा कि कांग्रेस के नेताओं और कार्यकर्ताओं ने नागौर से मुझे जिताने के लिए अपना पूरा दमखम लगाया और उसी का परिणाम है कि यहां से मेरी जीत हुई और बीजेपी प्रत्याशी ज्योति मिर्धा की हार हुई, जिन्होंने इस सीट को जीतने के लिए सौ करोड़ रुपये तक खर्च किए। उन्होंने कहा कि पहले दिन से ही हम लोगों ने साथ काम किया, 500 से ज्यादा रैलियां की। सभी समाज के लोगों ने मुझे वोट दिए लेकिन, मुस्लिम समुदाय ने 100 प्रतिशत मतदान किया।

आधुनिक टेक्नोलॉजी का उपयोग कर धोखाधड़ी पर नकेल कसने की की तैयारी, आरबीआई ला रहा है डिजिटल पेमेंट्स इंटेलिजेंस प्लेटफॉर्म

नई दिल्ली (ईएमएस)।भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) डिजिटल पेमेंट इंटेलिजेंस प्लेटफॉर्म शुरू करने वाला है। ताकि आधुनिक टेक्नोलॉजी का उपयोग करके पेमेंट के दौरान होने वाले जोखिम को कम किया जा सके। आरबीआई गवर्नर शक्तिकांत दास ने शुक्रवार को यह जानकारी दी। इसके लिए आरबीआई ने एनपीसीआई के पूर्व एमडी और सीईओ एपी होता के नेतृत्व में एक समिति बनाई है। इसमें डिजिटल पब्लिक इन्फ्रास्ट्रक्चर प्लेटफॉर्म स्थापित करने के लिए एक प्लेटफॉर्म स्थापित करने के सभी पहलुओं की जांच की जाएगी। समिति दो महीने में अपनी रिपोर्ट देगी।

सभी प्लेटफॉर्मों के बीच रियल टाइम डेटा होगा शेयर

आरबीआई गवर्नर ने बताया कि कई बार लोगों के साथ कई प्रकार के फ्रॉड हो जाते हैं। पेमेंट इकोसिस्टम (बैंक, एपीसीआई, कार्ड नेटवर्क और पेमेंट ऐप्स) की ओर से ग्राहकों को बचाने के लिए अलग-अलग तरह के कदम उठाए गए हैं। ऐसे में नेटवर्क लेवल की इंटेलिजेंस की आवश्यकता है, जिससे सभी प्लेटफॉर्मों के बीच रियल टाइम डेटा शेयर किया जा सके।

फ्रॉड को कम करने की जरूरत

शक्तिकांत दास ने कहा कि रिजर्व बैंक ने पिछले कुछ वर्षों में डिजिटल पेमेंट की सुरक्षा के लिए कई कदम उठाए हैं, जिससे लोगों का इनके प्रति विश्वास बढ़े। इस विश्वास को बनाए रखने के लिए फ्रॉड को कम करना आवश्यक है। उन्होंने कहा कि आरबीआई सुरक्षा बढ़ाने के उपाय के रूप में वार्षिक हैकाथॉन का भी आयोजन किया जा रहा है, जिससे प्रमुखता वाले क्षेत्रों में नवाचार को बढ़ावा दिया जा सके। आरबीआई गवर्नर ने कहा कि वैश्विक हैकथॉन के तीसरे संस्करण, 'हार्बिंगर 2024 - इनोवेशन फॉर ट्रांसफॉर्मेशन' की दो बड़ी थीम 'शून्य वित्तीय धोखाधड़ी' और 'दिव्यांगों के अनुकूल होना' होगी। इस संबंध में अधिक जानकारी जल्द दी जाएगी।

93 फ़ीसदी करोड़पति सांसद, संसद पहुंचे

भाजपा के 240 सांसदों की औसत संपत्ति 50 करोड़

नई दिल्ली (ईएमएस)। एडीआर ने जो रिपोर्ट जारी की है। इसके अनुसार 504 नवनिर्वाचित सांसद करोड़पति हैं।इसमें सबसे ज्यादा 227 करोड़पति सांसद भाजपा के हैं। कांग्रेस के केवल 92 करोड़पति संसद संसद पहुंचे हैं। चुनाव में उम्मीदवारों द्वारा जो हलफनामे दाखिल किए गए हैं।उसके अनुसार यह आंकड़े जुटाए गए हैं। 93 फ़ीसदी सांसद एक करोड़ से ज्यादा संपत्ति के मालिक हैं। हर सांसद का औसत 46।34 करोड रुपए आता है।भाजपा के 240 सांसद निर्वाचित हुए हैं। इनकी औसत संपत्ति 50।04 करोड रुपए है।

आंध्र प्रदेश के डॉक्टर चंद्रशेखर तेलुगु देशम पार्टी के सांसद हैं। इनकी संपत्ति 5705 करोड रुपए की है। दूसरे नंबर पर तेलंगाना के भाजपा सांसद कोडा विश्वेश्वर रेड्डी है।इनकी संपत्ति 4568 करोड रुपए है। तीसरे नंबर पर भाजपा के नवीन जिंदल है। इनकी संपत्ति 1241 करोड रुपए की है।

संसद भवन परिसर में किए जा रहे बदलाव का विपक्ष ने शरू किया विरोध , सदन में गांधी, आंबेडकर, शिवाजी की प्रतिमाएं स्थानांतरित

नई दिल्ली (ईएमएस)।संसद भवन परिसर में 18वीं लोकसभा के सदस्य जब शपथ लेंगे तब वहां अलग ही तरह का नजारा देखने को मिलेगा। संसद भवन परिसर में न केवल महात्मा गांधी, बाबासाहेब आंबेडकर और छत्रपति शिवाजी की प्रतिमाएं अब अपने निर्धारित स्थानों पर नहीं रहेंगी, बल्कि परिसर में संसद सुरक्षा कर्मियों की जगह केंद्रीय औद्योगिक सुरक्षा बल की तैनाती भी की जाएगी। संसद परिसर में किए जा रहे पहले बदलाव से जहां खास तौर पर कांग्रेस नाराज हो गई है।

विपक्षी पार्टी ने आरोप लगाया कि संसद परिसर में महात्मा गांधी, भीमराव आंबेडकर और छत्रपति शिवाजी सहित अन्य की प्रतिमाओं को स्थानांतरित कर दिया गया है ताकि यह सुनिश्चित किया जा सके कि विपक्षी दल लोकतांत्रिक विरोध प्रदर्शन न कर सकें। साथ ही यह भी कहा कि इस तरह के हथकंडे प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की अस्थिर सरकार को गिरने से नहीं बचा सकते। कांग्रेस महासचिव जयराम रमेश ने प्रतिमाओं को स्थानांतरित करने के लिए लोकसभा सचिवालय के स्पष्टीकरण को पूरी तरह फर्जी करार दिया और कहा कि इस मामले पर किसी भी राजनीतिक दल के साथ कोई चर्चा नहीं हुई है।

लोकसभा सचिवालय ने दी सफाई

इस पर लोकसभा सचिवालय ने सफाई दी। उसने एक बयान में कहा कि प्रतिमाओं को संसद भवन परिसर के पीछे की ओर एक नए स्थान पर ले जाया जाएगा, जिसे प्रेरणा स्थल कहा जाएगा। संसद भवन परिसर की लैंडस्कैपिंग की योजना की घोषणा करते हुए लोकसभा सचिवालय ने कहा है कि संसद परिसर में देश के महान नेताओं और स्वतंत्रता सेनानियों की प्रतिमाएं परिसर के विभिन्न हिस्सों में स्थापित की गई थीं। संसद परिसर में अलग-अलग स्थानों पर स्थित होने के कारण आगंतुक इन प्रतिमाओं को आसानी से नहीं देख पाते थे। इस कारण इन सभी प्रतिमाओं को संसद भवन परिसर में ही एक भव्य प्रेरणा स्थल में सम्मानपूर्वक स्थापित किया जा रहा है।

मनगढ़ंत स्पष्टीकरण देना पड़ा

प्रतिमाओं के स्थानांतरण करने पर जयराम रमेश भडक़ गए। उन्होंने आलोचना करते हुए कहा, कल दोपहर मैंने इस बात पर प्रकाश डाला था कि कैसे मोदी सरकार छत्रपति महाराज, महात्मा गांधी और डॉ. आंबेडकर की प्रतिमाओं को संसद भवन के सामने स्थित विशिष्ट स्थानों से दूसरी जगह स्थानांतरित कर रहा है। उन्होंने आगे कहा, मूर्तियों को हटाए जाने की तस्वीरें सामने आने के बाद, घबराहट में लोकसभा सचिवालय को इस बदलाव के लिए पूरी तरह से फर्जी और स्पष्ट रूप से मनगढ़ंत स्पष्टीकरण जारी करने के लिए मजबूर होना पड़ा। मूर्तियों के स्थान में बदलाव के लिए किसी भी राजनीतिक दल से कोई चर्चा नहीं हुई है।

नीट परीक्षा में धांधली की सुप्रीम कोर्ट की निगरानी में जांच हो-कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे

नई दिल्ली (ईएमएस)।कांग्रेस ने शुक्रवार को मेडिकल प्रवेश परीक्षा नीट (स्नातक) में धांधली का आरोप लगाया और कहा कि इसकी उच्चतम न्यायालय की निगरानी में जांच होनी चाहिए ताकि प्रतिभाशाली छात्र-छात्राओं को न्याय मिल सके। नीट का परिणाम गत चार जून को घोषित किया गया। कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे ने एक्स पर पोस्ट किया, पेपर लीक, धांधली और भ्रष्टाचार नीट समेत कई परीक्षाओं का अभिन्न अंग बन गया है। इसकी सीधी जिम्मेदारी मोदी सरकार की है। उन्होंने कहा कि अभ्यर्थियों के लिए भर्ती परीक्षाओं में भाग लेना, फिर अनेकों अनियमित ताओं से जूझना, पेपर लीक के चक्रव्यूह में फंसना-उनके भविष्य से खिलवाड़ है।

कांग्रेस अध्यक्ष ने आरोप लगाया कि भाजपा ने देश के युवाओं को ठगा है। उन्होंने कहा, हमारी मांग है कि उच्चतम न्यायालय की देखरेख में एक उच्च स्तरीय जांच होनी चाहिए जिससे नीट व अन्य परीक्षाओं में भाग लेने वाले हमारे प्रतिभाशाली छात्र-छात्राओं को न्याय मिले। कांग्रेस महासचिव प्रियंका गांधी वाद्र

जन हितैषी

सोशल मीडिया के डिजिटल प्लेटफॉर्म ने न्यूज़ चैनलों और प्रिंट मीडिया को दिखाई अपनी ताकत

भारत का लोकसभा चुनाव 2024 संपन्न हो गया है। इस चुनाव में डिजिटल मीडिया(सोशल मीडिया) ने अपनी ताकत का प्रदर्शन किया है। सत्तारूड दल, इलेक्ट्रॉनिक न्यूज़ चैनल और प्रिंट मीडिया के भरोसे रहा सरकार की गुणगान करता रहा। सरकार और आम मतदाताओं तक सरकार के दावों को पहुंचाता रहा। वहीं डिजिटल मीडिया यूटयूब के 46 करोड लोगों तक सत्य एवं सूचनाओं को भी प्रमुखता के साथ पहुंचाता रहा। सोशल मीडिया के यूटयूब प्लेटफार्म पर ऐसे पत्रकार थे, जो सूचनाओं का सही विश्लेषण कर रहे थे। वहीं ऐसे भी लाखों लोग थे, जो सूचनाओं को सोशल मीडिया के माध्यम से पहुंचाने का काम कर रहे थे। लगभग दो माह चुनाव अधिसूचना जारी होने से लेकर चुनाव संपन्न होने तक सोशल मीडिया और भारत के लगभग 230 टीवी चैनल तथा 5500 दैनिक समाचार पत्रों के बीच अघोषित युद्ध चलता रहा। जब चुनाव परिणाम आए उससे यह साबित हो गया। 2024 के लोकसभा चुनाव में डिजिटल मीडिया (सोशल)के माध्यम से विपक्ष की लड़ाई जनता और निर्भीक पत्रकारों ने सच को सामने लाने का काम किया। उसका असर इस चुनाव में देखने को मिला है। लोकसभा चुनाव में इस बार करीब 97 करोड़ मतदाता थे। इन तक जनमत बनाने और सभी किस्म की सूचनाओं को पहुंचाने का माध्यम सोशल मीडिया बना। 2014 के लोकसभा चुनाव में कांग्रेस की भ्रष्टाचार वाली छवि और भारतीय जनता पार्टी के आईटी सेल द्वारा जो युद्ध सोशल मीडिया के माध्यम से उस समय लड़ा गया था। उसका बड़ा प्रभाव हुआ था। कांग्रेस एवं अन्य विपक्षी दलों को राष्ट्रीय स्तर पर ?विशेष रुप में हिंदी भाषी राज्यों में बड़ा नुकसान हुआ था। 2024 के लोकसभा चुनाव में स्थिति पूरी तरह से बदल गई। सरकार का दबाव सभी 230 टीवी चैनल तथा अधिकांश बड़े छोटे समाचार पत्रों में समाचार में क्या छपेगा। इसका अप्रत्यक्ष दबाव होने से न्यूज़ चैनल और प्रिंट मीडिया वही दिखा, या छाप रहे थे। जो सरकारी तंत्र द्वारा उन्हें कहा जाता था। 1975 में जब आपातकाल लगा था और सेंसरशिप लगाई गई थी। उस समय आम जनता तक सही समाचार नहीं पहुंच रहे थे। आपातकाल की समाप्ति के बाद जब सेंसरशिप को खत्म किया गया। उसके बाद आम जनता में विशेष रूप से हिंदी भाषी राज्यों में प्रिंट मीडिया का बड़ा असर हुआ। 1977 के चुनाव में इंदिरा गांधी को सरकार हिंदी भाषी राज्यों में बुरी तरह से पराजित हुई। पहली बार केंद्र में गैर कांग्रेसी जनता पार्टी की सरकार बनी। लगभग वही स्थिति 2024 के लोकसभा चुनाव में देखने को मिली। इसमें जितने भी न्यूज़ चैनल और समाचार पत्र थे वह सरकार की ठकुर-सुहाती कर रहे थे। सरकार और जनता को वास्तविकता नहीं बता रहे थे। जिसके कारण आम मतदाताओं का भरोसा टीवी चैनल और समाचार पत्रों में कम हो गया। उसके स्थान पर यूटयूब और सोशल मीडिया के अन्य प्लेटफार्म में आम जनता तक स्वतंत्र पत्रकारो द्वारा सत्य को पहुंचाने का काम किया। उसका असर आम मतदाताओं के बीच में देखने को मिला। इस बार उत्तर भारत और सीमावर्ती विभिन्न राज्यों में भाजपा को पराजय का सामना करना पड़ा है। मोबाइल फोन अब संचार का सबसे बड़ा माध्यम बन गया है। विश्वनीयता से खबर देने वाले डिजिटल चैनल और उनके पत्रकारों का भरोसा आम जनता के बीच में बढा है। वहीं टीवी चैनलों पर भरोसा खत्म हुआ है। सोशल मीडिया में लगभग 46 करोड लोग प्रत्यक्ष रूप से जुड़े हुए हैं। 2024 के लोकसभा चुनाव में डिजिटल मीडिया ने अपनी ताकत प्रदर्शित कर दी है। सोशल मीडिया का यह परिवर्तन आम आदमी के बीच बड़ा असरकारी प्रमाणित हुआ है। सोशल मीडिया में स्वतंत्र पत्रकारों के लिए डिजिटल मीडिया एक मंच बन गया है। ?जिसने मीडिया हाउस की कॉन्सेप्ट भी को भी खत्म कर दिया है। सोशल मीडिया में एक व्यक्ति भी मीडिया जो काम हाउस करता था, सोशल मीडिया में वह एक व्यक्ति कर पा रहा है। उसमें रवीश कुमार और पीएम 4 चैनल के दर्शकों ने मीडिया में आए हुए बदलाव को इस चुनाव में साबित कर दिया है। विपक्ष भी अपना पक्ष अच्छे तरीके से सोशल मीडिया के माध्यम से दर्शकों तक अपनी बात पहुंचाने में सफल रहा है। वहीं सत्ता पक्ष से जुड़े इलेक्ट्रॉनिक न्यूज़ चैनल अपनी विश्वसनीयता को बनाए रखने में ?विफल साबित रहे। जिसका खामियाजा केंद्र की मोदी सरकार को भुगतना पड़ा है। 2024 के लोकसभा चुनाव ने आम जनता के बीच डिजिटल क्रांति को पहुंचा दिया है। इससे भारतीय लोकतंत्र और भी मजबूत हुआ है। डिजिटल मीडिया में जिस तरह का विद्रोह वर्तमान सरकार के बारे में देखा जा रहा था। उसने कम्युनिकेशन और मीडिया हाउस के तंत्र और राजनी?ति के वर्तमान स्वरुप को कड़ी चोट पहुंचाई है। डिजिटल मीडिया में जिस तरह से नागरिकों और पत्रकारों ने अपनी सहभागिता दर्ज कराई है। निश्चित रूप से उससे लोकतंत्र मजबूत होगा। भ?विष्य में सोशल मी?डिया का प्रभाव आम जनता के बीच और बढ़ेगा। इससे इंकार नहीं ?किया जा सकता है।

गठबंधन सरकार... मुश्किलें बेशुमार....!

(मध्यावधि सन्नीकट)

'गठबंधन' का मतलब 'समझौता' या 'समर्पण'.... और यह नरेन्द्र भाई मोदी के रक्त में है ही नही, इसलिए मौजूदा राजनीतिक परिप्रेक्ष्य में ये ही कयास लगाए जा रहे है कि यदि मोदी जी को मजबूरी में 'गठबंधन' सरकार बनानी भी पड़ी तो वह 'दीर्घजीवी' नही होगी और फिर देश में मध्यावधि चुनाव सुनिश्चित है।

यदि हम भारत की आजादी के बाद से लेकर अब तक की सरकारों के इतिहास पर नजर डालें तो हमें पता चलता है कि भारत में सर्वप्रथम आपातकाल के बाद 1977 में गठबंधन सरकार बनी थी, जो केवल ढाई साल चल पाई थी और 1980 में सरकार पर पुनः इंदिरा जी का कब्जा हो गया था, उसके बाद ही हमारे देश में गठबंधन सरकार का सिलसिला चालू हुआ, जो अवसरवादी राजनीति का मुख्य आधार रहा है, कांग्रेस ने तो स्वयं बहुमत में रहते हुए भी अन्य दलों के साथ सरकारें चलाई है, भाजपा की भी इसमें खास विशेषज्ञता रही है।

अब मौजूदा राजनीतिक परिस्थितियों में जबकि किसी भी एक राजनीतिक दल को चुनावों में स्पष्ट बहुमत प्राप्त नही हो पाया है,

तब पुनः नरेन्द्र भाई मोदी को मजबूरी में गठबंधन सरकार बनानी पड़ रही है और करीब डेढ़ दर्जन दलों को साधकर अपने साथ रखना पड़ रहा है, यद्यपि प्रतिपक्षी इंडिया गठबंधन के साथ भी बीस के करीब राजनीतिक दल है, किंतु उन्होंने सरकार बनाने का दावा पेश नही करने का निर्णय लिया है, अर्थात् अब मोदी के नेतृत्व में गठबंधन सरकार बनने की पूरी संभावना है।

अब देश में मोदी के नेतृत्व में गठबंधन सरकार बनाने की चर्चा तो चल रही है, किंतु प्रत्येक राजनेता को यह आशंका अवश्य है कि यह गठबंधन सरकार आखिर चल कितने दिन पाएगी? क्योंकि गठबंधन का सीधा अर्थ 'समझौता' है और मोदी जी को करीब से जानने वाला हर शख्स यह जानता है कि वे न तो अपनी सरकार में किसी भी तरह का भ्रष्टाचार सहन करेगें और न किसी की बेजा महत्वाकांक्षों की पूर्ति में किसी तरह का सहयोग ही प्रदान करेगें और यह भी तय है कि गठबंधन का हर दल व उसका हर नेता अपनी राजनैतिक या निजी महत्वाकांक्षाओं की पूर्ति के प्रयास अवश्य करेगा, जो मोदी जी के लिए असहय होगें, इसलिए यह तय माना जा रहा है कि गठबंधन सरकार मोदी जी के रहते कभी भी 'दीर्घजीवी' नही रह पाएगी और उसके बाद देश के सामने 'मध्यावधि' के अलावा कोई विकल्प नही रहेगा और देश के सामने ऐसी राजनीतिक परिस्थिति कभी भी निर्मित हो सकती है।

....अर्थात् इस वास्तविकता को झुठलाया नही जा सकता कि देश के सामने एकमात्र 'गठबंधन सरकार' ही विकल्प है और यह विकल्प भी स्थाई नही है, देश को कभी भी फिर एक बार 'मध्यावधि' चुनाव का सामना करना पड़ सकता है?

यद्यपि इस राजनीतिक परिस्थिति के लिए मतदाता सहित किसी को भी सीधे-सीधे दोषी नही ठहराया जा सकता, लेकिन कहा जरूर जा रहा है कि देश के मतदाताओं को खुलकर अपनी स्पष्ट राय जाहिर करनी चाहिए जिससे कि ऐसी राजनीतिक असमंजस की स्थिति पैदा न हो। लेकिन अब जो भी हो, जो स्थिति सामने है, उसका मुकाबला तो करना ही पड़ेगा और मोदी जी के नेतृत्व में गठबंधन सरकार को ही कुबूल करना पड़ेगा।

इस तरह कुल मिलाकर इन चुनावों के बावजूद देश के आकाश में राजनीतिक धुंध छाई हुई है और इसी कारण देशवासी नए सत्ता सूर्य की चमक के दर्शन नहीं कर पा रहे है और इस स्थिति के लिए किसी को भी दोषी नही ठहराया जा सकता, किंतु इसका इलाज सिर्फ और सिर्फ 'मध्यावधि' ही है, फिर वे चाहे कभी भी हो? (लेखक- ओमप्रकाश मेहता/ ईएमएस)

महासागरों में बढ़ते प्रदूषण को रोकना होगा

(8 जून विश्व महासागर दिवस पर विशेष)

महासागर इस दुनिया में मनुष्य के जीवित रहने का एक प्रमुख कारण है। महासागर हमें पीने के लिए पानी और सांस लेने के लिए ताजी हवा प्रदान करता है। इसलिए महासागर प्रदूषण का मुद्दा महत्वपूर्ण है। हम अपने जीवन में बहुत कुछ महासागर पर निर्भर हैं। महासागर प्रदूषण एक बड़ी समस्या बनता जा रहा है। हमारे महासागरों में कचरा जमा हो रहा है लेकिन सवाल यह है कि कचरा कहाँ से आ रहा हैं।

आज जब विश्व की कुल जनसंख्या का 30 प्रतिशत तटीय क्षेत्रों में निवास करता है तो ऐसी स्थिति में महासागर उनके लिए खाद्य पदार्थों का प्रमुख स्रोत साबित हो सकते हैं। सामाजिक, सांस्कृतिक और आर्थिक रूप से महत्वपूर्ण होने के कारण महासागर अत्यंत उपयोगी हैं। पृथ्वी पर जीवन का अस्तित्व यहां उपस्थित वायुमंडल और महासागरों जैसे कुछ विशेष कारकों के कारण ही संभव हो पाया है। अपने आरंभिक काल से आज तक महासागर जीवन के विविध रूपों को संजोए हुए हैं। पृथ्वी के विशाल क्षेत्र में फैले अथाह जल का भंडार होने के साथ ही महासागर अपने अंदर व आसपास अनेक छोटे-छोटे नाजुक पारितंत्रों को पनाह देते हैं। जिससे उन स्थानों पर विभिन्न प्रकार के जीव-जंतु व वनस्पतियां पनपती हैं।

वर्तमान में मानवीय गतिविधियों का प्रभाव समुद्रों पर भी दिखाई देने लगा है। महासागरों के तटीय क्षेत्रों में दिनों-दिन प्रदूषण का स्तर बढ़ रहा है। जहां तटीय क्षेत्र विशेष कर नदियों के मुहानों पर सूर्य के प्रकाश की पर्याप्तता के कारण अधिक जैव-विविधता वाले क्षेत्रों के रूप में पहचाने जाते थे। वहीं अब इन क्षेत्रों के समुद्री जल में भारी मात्रा में प्रदूषणकारी तत्वों के मिलने से वहां जीवन संकट में हैं। तेलवाहक जहाजों से तेल के रिसाव के कारण एवं समुद्री जल के मटमैला होने पर उसमें सूर्य का प्रकाश गहराई तक नहीं पहुंच पाता है। जिससे वहां जीवन को पनपने में परेशानी होती है और उन स्थानों पर जैव-विविधता भी प्रभावित होती है।

हर साल जून 8 को दुनिया भर में विश्व महासागर दिवस मनाया जाता है। 1987 में ब्रंटलैंड की एक रिपोर्ट में टिप्पणी की गयी थी की विश्व के जो महासागर हैं उन पर ज्यादा ध्यान नहीं दिया जा रहा है। इसी रिपोर्ट से प्रेरित होकर कनाडा ने विश्व महासागर दिवस मानाने का प्रस्ताव रखा। 1992 में कनाडा के इंटरनेशनल सेंटर फॉर ओशन डेवलपमेंट ने इस दिवस को मानाने का प्रस्ताव संयुक्त राष्ट्र के एक सम्मेलन अर्थ समिट में रखा था। 8 जून 2009 को पहला विश्व महासागर दिवस मनाया गया। इसके बाद से प्रतिवर्ष 8 जून को विश्व महासागर दिवस मनाया जाता है। हर साल विश्व महासागर दिवस के अवसर पर विश्व में महासागर से जुड़े विषयों पर विभिन्न आयोजन किए जाते हैं। जो महासागर के सकारात्मक और नकारात्मक पहलुओं के प्रति जागरूकता पैदा करने में मुख्य भूमिका निभाते हैं।

महासागर हमारी पृथ्वी पर न सिर्फ जीवन के प्रतीक है बल्कि पर्यावरण संतुलन में भी प्रमुख भूमिका अदा करते है। पृथ्वी पर जीवन का आरंभ महासागरों से माना जाता है। महासागरो में असीम जैव विविधता का भंडार समाया है। पृथ्वी का लगभग 70 प्रतिशत भाग महासागरों से घिरा है। पृथ्वी पर उपलब्ध समस्त जल का लगभग 97 प्रतिशत जल महासागरों में समाया हुआ है। महासागरों की विशालता का अंदाजा इस बात से लगाया जा सकता है कि यदि पृथ्वी के सभी महासागरों को एक विशाल महासागर मान लिया जाए तो उसकी तुलना में पृथ्वी के सभी महाद्वीप एक छोटे द्वीप से प्रतीत होंगे।

महासागर खाद्य पदार्थों का एक प्रमुख स्रोत होने के कारण हमारी अर्थव्यवस्था को सुदृढ़ बनाने में महत्वपूर्ण योगदान देते हैं। आज विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी की मदद से महासागरों से पेट्रोलियम सहित अनेक महत्वपूर्ण प्राकृतिक संसाधनों को निकाला जा रहा है। इसके अलावा जलवायु परिवर्तन सहित अनेक मौसमी घटनाओं को समझने के लिए समुद्रों का अध्ययन भी महत्वपूर्ण है। पृथ्वी पर जीवन की उत्पत्ति महासागरों में ही हुई है। आज भी महासागर जीवन के लिए आवश्यक परिस्थितियों को बनाए रखने में सहायक हैं। महासागर पृथ्वी के एक तिहाई से अधिक क्षेत्र में फैले हैं। इसलिए महासागरीय पारितंत्र में थोड़ा सा परिवर्तन पृथ्वी के समूचे तंत्र को अव्यवस्थित करने का सामर्थ्य रखता है।

प्रशांत महासागर पृथ्वी पर सबसे बड़ा महासागर है। पृथ्वी की सतह का यह लगभग 30 प्रतिशत हिस्सा है। इस महासागर की गहराई 35 हजार फुट और इसका आकार ट्राईगल यानि त्रिभुजाकार है। प्रशांत महासागर में करीब 25,000 द्वीप हैं। अटलांटिक महासागर क्षेत्रफल और विस्तार की दृष्टि से दुनिया का दूसरे सबसे बड़ा महासागर है। इसके पास पृथ्वी का 21 प्रतिशत से अधिक भाग है। अटलांटिक महासागर का आकार अंग्रेजी के 8 की संख्या के जैसा है। इस महासागर की कुछ वनस्पतियां खुद से चमकती हैं क्योंकि यहां सूर्य की रोशनी नहीं पहुंचती।

हिंद महासागर दुनिया का तीसरा सबसे बड़ा महासागर है। यह धरती का लगभग 14 प्रतिशत हिस्सा है। हिंद महासागर को रत्नसागर नाम से भी जाना जाता है। हिन्द महासागर इकलौता ऐसा महासागर है जिसका नाम किसी देश के नाम पर रखा गया है। अंटार्कटिका महासागरों में चैथा सबसे बड़ा महासागर है। इस महासागर को ऑस्ट्रल महासागर के नाम से भी जाना जाता है। इस महासागर में आइसबर्ग तैरते हुए देखे जाते हैं। अंटार्कटिका की बर्फीली जमीन के अंदर 400 से भी अधिक झीलें हैं। आर्कटिक महासागर पांच महासागरों में सबसे छोटा और उथला महासागर है। इसे उत्तरी ध्रुवीय महासागर भी कहते हैं। सर्दियों में यह महासागर पूर्णतः समुद्री बर्फ से ढका रहता है।

महासागरों में बढ़ता प्रदूषण चिंता का विषय बनता जा रहा है। अरबों टन प्लास्टिक का कचरा हर साल महासागरों में समा जाता है। आसानी से विघटित नहीं होने के कारण यह कचरा महासागरो में जस का तस पड़ा रहता है। अकेले हिंद महासागर में भारतीय उपमहाद्वीप से पहुंचने वाली भारी धातुओं और लवणीय प्रदूषण की मात्रा प्रतिवर्ष करोड़ों टन है। विषैले रसायनों के रोजाना मिलने से समद्री जैव विविधता भी प्रभावित होती है। इन विषैले रसायनों के कारण समुद्री वनस्पति की वृद्धि पर भी बुरा प्रभाव पड़ता है। पृथ्वी पर जीवन को बनाए रखने वाले परितंत्रों में महासागर की उपयोगिता को देखते हुए यह आवश्यक है कि हम महासागरीय पारितंत्र के संतुलन को बनाए रखें तभी हमारा भविष्य सुरक्षित रहेगा।

अपने आरंभिक काल से आज तक महासागर जीवन के विविध रूपों को संजोए हुए हैं। पृथ्वी के विशाल क्षेत्र में फैले अथाह जल का भंडार होने के साथ महासागर अपने अंदर व आस-पास अनेक छोटे-छोटे नाजुक पारितंत्रो को पनाह देते हैं। जिससे उन स्थानों पर विभिन्न प्रकार के जीव व वनस्पतियां पनपती हैं। इसी प्रकार तटीय क्षेत्रों में स्थित मैन्ग्रोव जैसी वनस्पतियों से संपन्न वन समुद्र के अनेक जीवों के लिए नर्सरी का काम करते हुए विभिन्न जीवों को आश्रय प्रदान करते हैं। महासागरों में पृथ्वी का सबसे विशालकाय जीव व्हेल से लेकर सूक्ष्म जीव भी मिलते हैं। एक अनुमान के अनुसार केवल महासागर के अंदर करीब दस लाख प्रजातियां उपस्थित हो सकती हैं।

हम सांस लेने के लिए जिस ऑक्सीजन का प्रयोग करते हैं। उसकी दस फीसद मात्रा हमें समुद्र से ही प्राप्त होती है। समुद्र में मौजूद सूक्ष्म वैक्टीरिया ऑक्सीजन का उत्सर्जन करते हैं जो पृथ्वी पर मौजूद जीवन के लिए बेहद जरूरी है। समुद्र में प्लास्टिक से होने वाले प्रदूषण की वजह से ये वैक्टीरिया पनप नहीं पा रहे हैं। जिसके कारण समुद्र में ऑक्सीजन की मात्रा भी लगातार घट रही है। यदि हम समय रहते नहीं चेते तो यह पशु-पक्षियों के साथ-साथ इंसानों के लिए भी बहुत बड़ा खतरा बन सकता है। (लेखक -रमेश सर्राफ धमोरा/ईएमएस) (लेखक राजस्थान सरकार से मान्यता प्राप्त स्वतंत्र पत्रकार हैं।)

हार कर भी जीत गया इंडी गठबंधन

देश में हुए लोकसभा चुनाव के परिणाम आ चुके हैं। ये चुनाव परिणाम कई मायनों में महत्वपूर्ण सन्देश देने वाले कहे जा सकते हैं। इसमें पहली बात यह है कि भारतीय जनता पार्टी ने चार सौ पार का नारा दिया, उसने एक बार फिर से इंडिया शाइनिंग वाले 2004 के चुनाव की याद याद दिला दी। यह संतोष की बात कही जा सकती है कि राजग को सरकार बनाने लायक़ बहुमत प्राप्त हो गया है। इस चुनाव परिणाम को भाजपा के लिए एक बड़े सबक के रूप में देखा जा रहा है, जबकि अपने राजनीतिक अस्तित्व को बचाने के लिए पिछले दस वर्षों से संघर्ष करने वाले विपक्ष को कायाकल्प करने वाली संजीवनी मिलने के रूप में देखा जा रहा है। भाजपा वाले गठबंधन ने भले ही बहुमत का आंकड़ा प्राप्त कर लिया है, लेकिन खुद भाजपा के नेता इसे जीत के रूप में प्रचारित करने का साहस नहीं जुटा पा रहे है।

इसके विपरीत इंडी गठबंधन तो ताल ठोकते हुए इसे भाजपा की हार बता रहा है। यह सही है कि चुनाव में राष्ट्रीय जनतान्त्रिक गठबंधन को अपेक्षित सफलता नहीं मिली, लेकिन सरकार बनाने लायक़ सीट की संख्या उसके पास है। इसलिए इसमें कोई संदेह नहीं कि भाजपा के नेतृत्व में लगातार तीसरी बार सरकार बनने जा रही है। इसलिए इस जीत को कई मायनों में ऐतिहासिक ही माना जाएगा। आज मोदी उस कतार में शामिल हो गए हैं, जो उन्हें औरों से अलग बनाते हैं।

भाजपा को सबसे बड़ा झटका उत्तरप्रदेश ने दिया है। यहां दो लड़कों की जोड़ी ने भाजपा की उड़ान की गति को बहुत हद तक रोकने में सफलता प्राप्त की है। हम जानते हैं कि जिस प्रकार से समाचार चैनलों ने स्पष्ट रूप से भाजपा की बहुमत वाली सरकार बनाने का पूर्वानुमान दिखाया था, वह परिणाम से मेल रखने वाला नहीं रहा। देश के विपक्षी दलों यह आरोप लगाकर इस एग्जिट पोल को पूरी तरह से खारिज कर दिया। कांग्रेस की ओर से यह दावा भी किया गया था कि इंडी गठबंधन को 290 सीटें मिलेंगी और बहुमत की सरकार बनेगी।

सबको यही लग रहा था कि कांग्रेस के दावे में दम नहीं है, लेकिन चुनाव के परिणाम ने यह जाहिर कर दिया कि उनके दावे में दम था।

दावे में जो सीटों की संख्या बताई गई थी इंडी गठबंधन उस आंकडे से बहुत पीछे रह गया, लेकिन इंडी गठबंधन के कई प्रत्याशी बहुत कम अंतर से पराजित हुए हैं, इसे भी अप्रत्याशित बढ़त के रूप में ही देखा जा रहा है। इंडी गठबंधन के लिए सबसे ज्यादा सुकून देने वाली बात यह भी है कि उसने भाजपा के 400 पार वाले दावे की हवा निकाल दी। भाजपा गठबंधन घिसटते घिसटते 300 के पार भी नहीं जा सकी। इसे इस रूप में भी देखा जा रहा है कि अकेले मोदी के नाम पर चुनाव नहीं जीता जाता, जीतने के लिए प्रत्याशी भी अच्छा होना चाहिए। कहा जा रहा है कि भाजपा इस मामले में चूक गई। भाजपा के लिए चिंतन का मुद्दा यह है कि उसके मूल कार्यकर्ता इस चुनाव से दूर रहे।

भाजपा नेतृत्व ने जितना भरोसा बाहर से आए नेताओं पर किया, उतना अपने पुराने कार्यकर्ताओं पर नहीं किया। बाहर से आए नेता केवल दिखावा करते रहे और भाजपा के पुराने कार्यकर्ताओं की अनदेखी की गई। जिसके कारण भाजपा का समर्थक मतदाता मतदान केंद्र तक पहुँच ही नहीं सका। यह भी भाजपा के लिए एक बड़ा अवरोधक बनता दिखाई दिया, जबकि इंडी गठबंधन के नेता यह योजना बनाकर मैदान में थे कि अधिक मतदान कराने का प्रयास किया जाए।

उत्तरप्रदेश में सपा और कांग्रेस के गठबंधन को मिली सफलता इस बात का परिचायक है कि इन दोनों दलों ने मुस्लिम और यादव मतों पर ज्यादा मेहनत की। इसके अलावा पिछड़े वर्ग के मतदाताओं को भी अपने पाले करने के लिए मेहनत की। इसी मेहनत ने अपेक्षित परिणाम दिए।

यहां यह उल्लेख करना भी महत्वपूर्ण होगा कि इस बार मायावती की बहुजन समाज पार्टी ने इंडी गठबंधन के लिए विजय के द्वार खोलने में मदद की। ऐसा नहीं है कि उनकी मदद करने की मंशा थी, वह मदद नहीं करना चाहती थीं, लेकिन अजा, जजा और पिछड़े वर्ग का जो वोट भाजपा को मिलना था, वह इस बार भाजपा को नहीं मिला। इसे भी भाजपा की हार के रूप में देखा जा रहा है। वैसे राजनीतिक दृष्टि से आंकलन किया जाए तो यह भाजपा की बड़ी जीत ही कहा जाएगा, क्योंकि भाजपा के नेतृत्व वाले राजग गठबंधन ने तीसरी बार सत्ता को अपने पास रखा है। इंडी गठबंधन भी इसलिए सक्रिय हो गया है, क्योंकि अगर किसी भी स्थिति में बिल्ली के भाग्य से छींका टूट गया तो मलाई खाने का अवसर मिल सकता है।

परिणामों के बाद अब इसमें कोई संदेह नहीं है कि राजग की सरकार बनेगी, साथ ही एक मजबूत विपक्ष भी होगा। इसलिए अब भाजपा नीत सरकार को बेहद सधे कदमों से चलना होगा। जैसा कि सभी जानते हैं कि ज़ब विपक्ष कमजोर रहा, तब उन्होंने संसद को कई बार बाधित किया। चूँकि अब विपक्ष मजबूत है तो इस बात की बहुत ज्यादा संभावना बन जाती है कि वे छोटी छोटी बातों पर संसद को बाधित कर सकते हैं। यह बात सही है कि नरेन्द्र मोदी की सरकार ने राजनीतिक भ्रष्टाचार पर बहुत हद तक सफलता प्राप्त की है, और अपने तीसरे कार्यकाल में भी भ्रष्टाचार को समाप्त करने का संकल्प दोहराया है। हम जानते हैं कि विपक्ष के कई बड़े राजनेता भ्रष्टाचार के आरोप को झेल रहे हैं। इनमें से कई जमानत पर बाहर हैं। इसलिए यह भ्रष्टाचार के मुद्दे पर सरकार का साथ देंगे, इसकी गुंजाइश कम ही है। लेकिन यह सच है कि भारत में भ्रष्टाचार का निर्मूलन होना ही चाहिए। यह देश को अच्छा बनाने का कदम है, जिसके लिए सभी दलों को साथ देना चाहिए।

जहाँ तक राजनीति की बात है तो लोकसभा चुनावों के दौरान जिस प्रकार से प्रचार किया गया, उसमें नकारात्मकता अधिक देखी गई। रचनात्मक विरोध तो कहीं भी देखने को नहीं मिला। लेकिन अब चूँकि चुनाव समाप्त हो गए हैं और परिणाम भी आ चुके हैं, इसलिए अब नकारात्मक राजनीति से सभी दलों को तौबा करने की ओर कदम बढ़ाने चाहिए। क्योंकि अब विरोध करने का नहीं, बल्कि देश को बनाने का समय है। (लेखक- सुरेश हिंदुस्तानी/ ईएमएस)

ईवीएम में जीत गए.....पोस्टल बैलेट की गिनती में हार गए ये दो सांसद

नई दिल्ली (ईएमएस)। लोकसभा चुनाव 2024 के परिणाम आ चुके हैं और देशभर में करीब 44 प्रतिशत वोटबैंक के साथ एनडीए पूर्ण बहुमत के साथ सरकार बनाने जा रही है। पीएम मोदी तीसरी बार देश की बागडोर संभालने वाले हैं। 2024 लोकसभा के परिणाम काफी चौंकाने वाले थे। कई सीटों पर मार्जिन लाखों का था, कहीं महज कुछ गिनती के वोट के साथ प्रत्याशी की जीत तय हो सकी। दो लोकसभा सीटों के लिए मतदान आखिर तक रोमांचक बना रहा, जहां प्रत्याशी मतगणना के बाद जीत चुके थे लेकिन, पोस्टल बैलेट ने उन्हें हरवा दिया।

चुनाव में ईवीएम मशीन ही नहीं पोस्टल बैलेट के वोट भी मायने रखते हैं। इसकी बानगी नतीजों के दिन मुंबई और ओडिशा में देखने को मिली, जब ईवीएम के वोटों की गिनती के बाद हार चुके प्रत्याशी आखिर में विजयी घोषित हुए। हम बात कर रहे हैं शिव सेना के रवींद्र वायकर और भाजपा कैंडिडेट रवींद्र नारायण बेहरा की। वाइकर ने मुंबई उत्तर पश्चिम सीट से जीत हासिल की, जबकि बेहरा ने ओडिशा में जाजपुर सीट पर विजय हासिल की।

शिवसेना (शिंदे गुट) नेता रविंद्र वायकर ने मुंबई उत्तर पश्चिम सीट पर अपने विरोधी शिवसेना (यूबीटी) के अमोल गजानन कीर्तिकर को केवल 48 वोटों से हराया। दरअसल, अमोल ईवीएम की काउंटिंग तक विजेता घोषित हो चुके थे। ईवीएम काउंटिंग खत्म होने के बाद अमोल को वाइकर के 4,51,094 के मुकाबले 4,51,095 वोट मिले थे। फिर पोस्टल बैलेट में बाजी पलट गई। चुनाव आयोग के अनुसार, वायकर को पोस्टल बैलेट में 1,550 डाक वोट मिले, वहीं कीर्तिकर के पक्ष में 1,501 वोट पड़े। अंतिम गिनती से पता चला कि वाईकर को 4,52,644 वोट मिले और अमोल को 4,52,596 वोट मिले। हालांकि शिवसेना (यूबीटी) ने कहा है कि वह नतीजे को अदालत में चुनौती देगी।

ओडिशा में भाजपा के बेहरा को ईवीएम की काउंटिंग खत्म होने तक बीजू जनता दल (बीजेडी) की सर्मिष्ठा सेठी की तुलना में 496 कम वोट मिले थे, लेकिन फिर भी वे जीत गए। पोस्टल बैलेट के बाद बेहरा की जीत हुई। उन्हें पोस्टल बैलेट में 5,280 वोट मिले, वहीं सेठी को 3,224 वोट मिले।

पोस्टल बैलेट या डाक मतपत्रों का उपयोग आमतौर पर वे मतदाता करते हैं जो अपने निर्वाचन क्षेत्रों से चुनाव के वक्त दूर हों। अक्सर पोस्टल बैलेट से मतदान चुनाव के दौरान तैनात सुरक्षा कर्मी, कैदी और चुनाव डयूटी पर तैनात लोग करते हैं।

2019 के आम चुनाव तक डाक मतपत्रों की गिनती ईवीएम की गिनती से 30 मिनट पहले की जाती थी। लेकिन चुनाव आयोग ने दिशानिर्देशों में बदलाव किया निर्देश दिया कि ईवीएम की गिनती डाक मतपत्रों की गिनती की समाप्ति के बावजूद जारी रह सकती है।

शब्द पहेली - 8031

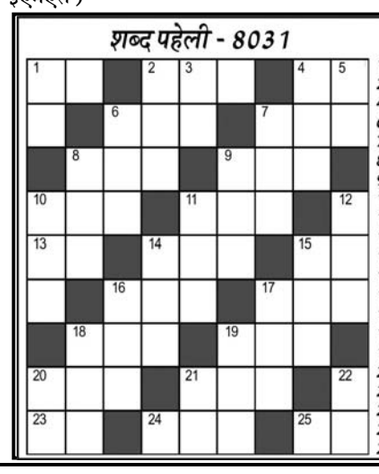

बाएँ से दाएँ

1.घ्राणेंद्रिय-2
2.लंबी गर्दन वाला पशु-3
4.आफत,मुसीबत-2
6.लाचार-3
7.आसरा,मदद-3
8.आश्रय,शरण-3
9.राज कपूर की पोती-3
10.कर्म,भाग्य-3
11.दासत्व,गुलामी-3
13.आर्टिकल-2
14.इच्छा,लालसा-3
15.दुगना,दोगुना-2
16.भार-3
17.टेसू के फूल-3
18.राजा का भवन-3
19.चौकसी-2
20.प्रेमी,साजन-3
21.कैनाल,उपनदी-3
23.जीवन सत्व,प्राण-2
24.प्रहार,आक्रमण-3
25.ठाठ-बाट-2

ऊपर से नीचे

1.अभिमान-2
2.मारना,वध करना-2
3.नृत्य,कृष्णलीला-2
4.अपव्यय करना-3
5.वेस्टइंडीज का कप्तान-2
6.अज्ञात,अनाम-3
7.नदी,दरिया-3
8.जांच,परीक्षण-3
9.परीक्षा करना-3
10.जिगर-3
11.आंचल-3
12.नाश,विध्वंस-3
14.अंजन,नेत्रांजन-3
15.लाडला-3
16.शक,संदेह-3
17.तीन घंटे का समय-3
18.चिंतन-3
19.प्रथम-3
20.दंड,शिक्षा-2
21.आंशिक भीगा हुआ-2
22.प्राण,जीवन तत्व-2

शब्द पहेली -8030 का हल

Jagrutidaur.com, Bangalore

खेल - समाचार

टी20 विश्व कप में नीदरलैंड पर जीत के इरादे से उतरेगी दक्षिण अफ्रीका

न्यूयॉर्क (ईएमएस)। आईसीसी टी20 विश्व कप में शनिवार को दक्षिण अफ्रीका की टीम ग्रुप डी के इस मैच में नीदरलैंड को हराने के इरादे से उतरेगी। दक्षिण अफ्रीका को इस मैच में इस डच टीम से सावधान रहना होगा क्योंकि वह उलटफेर करने में सक्षम है। डच टीम ने पिछले साल दक्षिण अफ्रीका को 50 ओवरों के विश्व कप मुकाबले में 38 रन से हराया था जिसका हिसाब भी वह बराबर करना चाहेगी।

श्रीलंका पर पहले मैच में मिली जीत से दक्षिण अफ्रीकी टीम के हौंसलें हालांकि बढ़े हुए हैं। एनरिक नॉर्त्जे के फॉर्म में रहने से भी टीम की गेंदबाजी बेहतर हुई है। नॉर्त्जे ने श्रीलंका के खिलाफ चार विकेट लिए। कागिसो रबाडा और नॉर्त्जे के रूप में दक्षिण अफ्रीका के पास तेज गेंदबाजों की बेहतरीन जोड़ी है जिनसे डच बल्लेबाजों पर वे अंकुश लगा सकते हैं। डच टीम ने पहले मैच में नेपाल को छह विकेट से हराया था। नीदरलैंड के लिए मैक्स ओ डाउड ने अर्धशतक जमाया जबकि तेज गेंदबाज टिम प्रिंगल और लोगान वान बीक ने तीन तीन विकेट लिए।

दोनो ही टीमें इस प्रकार हैं :

दक्षिण अफ्रीका : एडेन मार्करम (कप्तान), ओटनील बार्टमैन, गेराल्ड कोएट्जी, क्विंटन डि कॉक, ब्योर्न फोर्टुइन, रीजा हेंड्रिक्स, मार्को यानसन, हेनरिक क्लासेन, केशव महाराज, डेविड मिलर, एनरिक नोर्किया, कागिसो रबाडा, रयान रिकेल्टन, तबरेज शम्सी, ट्रिस्टन स्टब्स।

नीदरलैंड : स्कॉट एडवर्ड्स (कप्तान), आर्यन दत्त, बास डी लीडे, काइल क्लेन, लोगान वैन बीक, मैक्स ओडॉड, माइकल लेविट, पॉल वैन मीकेरेन, रयान क्लेन, साकिब जुल्फिकार, साइब्

शेयर बाजार ने तोड़ा 3 जून का रिकॉड... लगातार तीसरे दिन तूफानी तेजी, ऑल टाइम हाई पर सेंसेक्स

निवेशकों ने 7.5 लाख करोड़ रूपए कमाए

नई दिल्ली (ईएमएस)।शेयर बाजार में शुक्रवार को लगातार तीसरे दिन तूफानी तेजी देखने को मिली। इस बीच जहां बॉम्बे स्टॉक एक्सचेंज के 30 शेयरों वाले सेंसेक्स नया ऑल टाइम हाई बनाया, तो वहीं नेशनल स्टॉक एक्सचेंज का निफ्टी भी रॉकेट की रफ्तार से भागता हुआ दिखाई दिया। कारोबार के अंत में सेंसेक्स सेंसेक्स 1618 अंक की बढ़त के साथ 76,693 के लेवल पर बंद हुआ, तो वहीं एनएसई निफ्टी 4 468 अंक की तेजी के साथ 23,290 के स्तर पर क्लोज हुआ। एक ही दिन में शेयर बाजार में निवेश करने वाले इन्वेस्टर्स की संपत्ति में 7.5 लाख करोड़ रुपये का जोरदार उछाल आया है।

शेयर बाजार में ताबड़तोड़ तेजी के बीच खास बात ये रही कि बीएसई के सेंसेक्स ने एग्जिट पोल के अगले दिन या बीते सोमवार को शेयर बाजार में आई तेजी के बीच बने अपने रिकॉर्ड को भी तोड़ दिया है। दरअसल, एग्जिट पोल के अनुमानों के असर के चलते शेयर बाजार रिकॉर्ड तेजी के साथ चढ़ा था और सेंसेक्स 76,738.9 के हाई लेवल पर पहुंच गया था, लेकिन शुक्रवार को सेंसेक्स ने अपने इस रिकॉर्ड को ध्वस्त करते हुए 76,795 के लेवल को छू लिया। शुक्रवार की तेजी के चलते बरएसई मार्केट कैप बढ़ा है और एक ही दिन में शेयर बाजार में निवेश करने वाले इन्वेस्टर्स की संपत्ति में 7.5 लाख करोड़ रुपये का जोरदार उछाल आया है। शेयर मार्केट ने चुनावी नतीजों वाले दिन बीते मंगलवार को बड़ी गिरावट झेली थी, लेकिन इसके अगले ही दिन बुधवार से मार्केट में तेजी का जो सिलसिला शुरू हुआ, वो लगातार तीन दिनों से जारी है। राजनीतिक गलियारों में हलचल का असर बाजार पर भी दिखाई दिया। शुक्रवार को एनडीए की बैठक में प्रधानमंत्री के रूप में नरेंद्र मोदी के नाम पर सभी के समर्थन के बाद सेंसेक्स फिर नए मुकाम पर नजर आया।

सेंसेक्स नए हाई पर, निफ्टी फिर 23000 के पार

शुक्रवार को बीएसई का सेंसेक्स सुबह 9.15 बजे पर मामूली उछाल केसाथ75,031.79 के स्तर पर ओपन हुआ था, लेकिन इसके बाद इसमें तेजी आती चली गई और 1600 अंकों से ज्यादाकीबढ़तकेसाथ इसने 76,7 95.31 का स्तर छू लिया, जो सेंसेक्स का ऑल टाइम हाई लेवल है। इसके अलावाएनइकानिफ्टी50भी 22,82 1.85 के लेवल पर ओपन होने के बाद तूफानी रफ्तार पकड़ते हुए फिर 23,000 के पार निकल गया और 23,320 के दिन के हाई लेवल तक गया।

आईटी और बैंकिंग सेक्टर के शेयरों में मजबूती दिखी

शुक्रवार को आईटी और बैंकिंग सेक्टर के शेयरो में मजबूत दिखी। टेक सेक्टर के शेयर बाजार में टॉप गेनर्स के रूप में कारोबार करते दिखे। विप्रो के शेयरों में पांच प्रतिशत की मजूती आई, इंफोसिस के शेयर 3 प्रतिशत चढ़े। वहीं, टेक महिंद्रा, टीसीएस और एचसीएल टेक के शेयरों में 2 से 3 प्रतिशत की बढ़त दिखी। सेंसेक्स में बजाज फाइनेंस, अल्ट्राटेक सीमेंट, टाटा स्टील और रिलयंस के शेयरों ने भी मजबूत बढ़त हासिल की। इनके बल ही इंडेक्स को 192 अंकों की मजबूती मिली। इससे पहले भारतीय रिजर्व बैंक की मौद्रिक नीति समिति ने रेपो रेट को लगातार आठवीं बैठक में 6.5 प्रतिशत पर बरकरार रखा है।

फीफा विश्व कप 2026 क्वालीफायर : भारतीय टीम ने कुवैत से ड्रॉ खेलकर छेत्री को विदाई दी

कोलकाता (ईएमएस)। भारतीय फुटबॉल टीम ने फीफा विश्व कप 2026 क्वालीफायर मैच में ड्रॉ के साथ ही स्टार स्ट्राइकर सुनील छेत्री को विदाई दी है। इस मैच के ड्रॉ होने से हालांकि भारतीय टीम के क्वालीफाई करने की संभावनाएं कमजोर हुई हैं। इस मैच के ड्रॉ होने से अब भारत के कुल पांच अंक हो गए हैं। भारतीय टीम को अब अपना अंतिम मैच 11 जून को कतर से खेलना है। कुवैत के चार अंक हैं और वह भारत के बाद अफगानिस्तान से खेलेगा।

इस मैच के साथ ही 19 साल तक चला छेत्री का अंतरराष्ट्रीय करियर भी समाप्त हो गया। इस खिलाड़ी ने भारत की ओर से 94 गोल किए हैं और वह अंतरराष्ट्रीय फुटबॉल में सबसे अधिक गोल करने वाले खिलाड़ियों की सूची में चौथे नंबर पर हैं। वहीं पुर्तगाल के दिग्गज स्ट्राइकर क्रिस्टियानो रोनाल्डो (128), ईरान के दिग्गज अली डेई (108) और अर्जेंटीना के लियोनेल मेसी (106) गोल के साथ पहले तीन स्थान पर हैं। फीफा ने छेत्री की उपलब्धियों को सराह है।

छेत्री के इस अंतिम मैच में हजारों की संख्या में दर्शक और उनके परिजन स्टेडियम में पहुंचे थे। दर्शकों को हालांकि आखिर में यह निराशा रही कि छेत्री अपने अंतिम अंतरराष्ट्रीय मैच में गोल नहीं दाग पाए। छेत्री हालांकि क्लब फुटबॉल में खेलते रहेंगे। उनका इंडियन सुपर लीग की टीम बेंगलुरू एफसी के साथ अगले साल तक अनुबंध है।

22 सालों का रिकॉर्ड टूटा.....पहली बार वैशाखी के सहारे मोदी सरकार

नई दिल्ली (ईएमएस)। 2001 में तत्कालीन प्रधानमंत्री अटल बिहारी वाजपेयी का आदेश मिला और नरेंद्र मोदी अचानक गुजरात के मुख्यमंत्री बने। उन्होंने कोई चुनाव नहीं लड़ा था, लेकिन अगले वर्ष ही विधानसभा चुनाव हुआ। 2002 में पहली बार मोदी को गुजरात विधानसभा चुनावों में अपनी पार्टी की अगुवानी करनी थी। बीजेपी 182 सीटों की विधानसभा में 49.85 प्रतिशत वोटों के साथ 127 सीटें जीत गई। मोदी स्पष्ट बहुमत के साथ फिर सत्ता में लौटे। तब से बहुमत सरकारों का नेतृत्व करने का उनका सिलसिला बढ़ता रहा। 2007 और 2012 के गुजरात विधानसभा में लगातार दूसरी और तीसरी बार बहुमत की सरकार बनाने के बाद मोदी केंद्र की राजनीति में आए और वहीं जलवा बरकरार रखा।

2014 में बहुमत के आंकड़े से 10 ज्यादा 282 सीटें लाकर केंद्र में पहली बार सरकार बनाई और प्रधानमंत्री बन गए। 2019 में मोदी का करिश्मा सिर चढ़कर बोला बीजेपी के खाते में 21 सीटें और बढ़ गईं। 10 सालों में विकास, कल्याणकारी योजनाओं और अनुकूल जातीय समीकरण सहित अन्य कई मजबूत मोर्चों की बदौलत बीजेपी ने 2024 के चुनावों में अबकी बार 400 पार का नारा दिया, लेकिन 4 जून को परिणाम आए तब 2002 से गुजरात से शुरू हुआ सिलसिला टूट गया। मोदी के नेतृत्व में चुनाव मैदान में उतरी बीजेपी पहली बार बहुमत के आंकड़े से दूर रह गई। 240 सीटों पर सिमटी बीजेपी और मोदी को नई सरकार बनाने के लिए बैशाखी का सहारा लेने की नौबत आ गई है। यह नरेंद्र मोदी के लिए अग्निपथ पर चलने जैसा है। यह पथ जितना ज्यादा से ज्यादा आसान हो सके, इसकी कवायद हो रही है।

दरअसल, 9 जून को नई मोदी कैबिनेट शपथ ग्रहण करेगी। सहयोगी दलों को सरकार में शामिल करने का फॉर्म्युला भी सामने आ चुका है। बताया जा रहा हैं एनडीए की नई सरकार में साथी दलों के हर चार सांसद पर एक मंत्री बनाया जाएगा। सभी दलों के सहयोग से टिकाऊ सरकार बने, इसकी कवायद चल रही है। भाजपा के शीर्ष नेता गुरुवार को इसी चर्चा में लगे रहे और वरिष्ठ पार्टी नेताओं को सहयोगी दलों से बात करने के लिए तैनात किया गया। बीजेपी चीफ जेपी नड्डा के आवास पर कई बैठकें हुईं।

जहां कहीं भी संविधान के खिलाफ काम होगा हम विरोध करेंगे - चंद्रशेखर आजाद

नई दिल्ली (ईएमएस)। नगीना सीट से चुनाव जीतकर लोकसभा पहुंचे आजाद समाज पार्टी के चंद्रशेखर आजाद ने कहा कि समाज के हर तबके ने मुझे वोट दिया है। हम लड़ते रहेंगे, जब तक सरकार जनता की आवाज नहीं सुनेगी। एक समाचार चैनल के साथ एक्सक्लूसिव बातचीत में चंद्रशेखर आजाद ने कहा, नगीना लोकसभा का चुनाव बहुत आसान था। कोई मुश्किल नहीं था। जिस तरह से हमारे भीम आर्मी के लोगों ने वहां जाकर काम किया, संघर्ष किया, यह सब उसी का नतीजा हैं। लोग कहते हैं जनता के लिए काम कीजिए तो कोई काम नहीं आता। लेकिन जनता ने हमारे लिए काम किया। हर आदमी ने अपना बेटा समझ कर मुझे आशीर्वाद दिया। हर आदमी ने पैसा दिया, क्योंकि चुनाव में बहुत पैसा खर्च होता है। दिल्ली में टूटे रविदास मंदिर का मामला हो, महिला पहलवानों के लिए काम किया, किसानों के लिए काम किया, सब हमारे लिए काम आये है। नगीना की जनता को मैं धन्यवाद देता हूं। उनका कर्ज जिंदगी भर चुकाता रहूंगा।

चंद्रशेखर आजाद ने कहा कि अच्छा हुआ सपा या कांग्रेस ने मेरा साथ नहीं दिया। वरना यह कहते कि उनके दम पर मैं चुनाव जीता हूं। देश भर के लोगों ने मेरा साथ दिया है। हम उत्तर प्रदेश में दो सीट नगीना और डुमरियागंज से चुनाव लड़े। दोनों जगहों पर हमने ठीक मत हासिल किया है। डुमरियागंज में भी 80000 वोट लेकर आए हैं। हमें जनता का प्यार और विश्वास मिल रहा है। जब बात संविधान बचाने की हो तो हमने सब की मदद की।

आजाद समाज पार्टी के प्रमुख ने कहा, हमने हर जगह विपक्षी पार्टियों की मदद की। हमारे साथ जो पिछड़े दलित अल्पसंख्यक जुड़े हुए हैं। हमने उनसे अनुरोध किया था कि आप संविधान बचाने के लिए काम करें और उन्होंने काम भी किया है। मायावती जी का जो अधूरा काम है। वह हम पूरा करेंगे। अब आप भीम आर्मी , अंबेडकरवादियों को सांसद में सुनेंगे। मैं तो मायावती जी की दीर्घायु होने की कामना करता हूं। समाज ने कहा था कि 2022 में हम मायावती जी को आशीर्वाद दे रहे हैं और इस बार उसने मुझे आशीर्वाद दिया है।

चंद्रशेखर आजाद ने कहा कि मायावती जी ने बहुत काम किया है। आज के स्थिति में वह किसके लिए काम कर रही है। यह सब कोई देख रहा है। उनका आशीर्वाद मुझे हमेशा मिलता रहेगा। हम अपनी पार्टी को और आगे बढ़ाएंगे। पुराना संगठन है और अब हमारा जनधार बढ़ेगा। वोट हमारा ताकत हमारा। यह जमीन हासिल करेंगे।

आजाद समाज पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष चंद्रशेखर आजाद ने कहा कि जहां भी संविधान के खिलाफ काम होगा हम हर जगह अपना विरोध दर्ज करेंगे। केंद्र या राज्य में जहां कहीं भी संविधान के खिलाफ काम होगा हम विरोध करेंगे। हम चुप होकर नहीं बैठेंगे, किसी जाति के खिलाफ संघर्ष होगा। हम वहां जाएंगे चाहे कोई दल की सरकार हो। हमें जनता ने ना तो इंडिया और ना ही एनडीए के लिये भेजा है। हम उत्तर प्रदेश के जनता के करीब है। जनता के हितों के लिए लड़ेंगे।

चंद्रशेखर आजाद ने कहा, सबसे पहला मुद्दा बेरोजगारी है। आरक्षण में रिजर्वेशन का मुद्दा है। शिक्षा में जो प्राइवेट सेक्टर की भागीदारी बढ़ रही है। वह सारे मुद्दे उठाएंगे। सीवर में लोग मर रहे है उसपर बात करेंगे। गरीबों का इलाज नहीं होता है। हमें केवल दलित ने वोट नहीं दिया है। समाज के हर तबके ने मुझे वोट दिया है।

300 करोड़ की संपत्ति को लेकर बहू ने करवा दी ससुर की हत्या

नागपुर (ईएमएस)। महाराष्ट्र के नागपुर में 300 करोड़ की संपत्ति हड़पने के लिए बहू ने सुपारी देकर अपने ही ससुर की हत्या करवा दी। मामले को शुरुआत में एक हादसा दिखाने की कोशिश हुई थी, लेकिन पुलिस की जांच और परिजनों की ओर से जताए गए हत्या के शक ने घटना को अलग मोड दे दिया।

दरअसल, 22 मई को मानेवाडा परिसर में पुरुषोत्तम पुट्टेवार (82वर्ष) को एक कार ने टक्कर मार दी थी। घटना में उनकी मौत हो गई। घटना सीसीटीवी कैमरे में कैद हुई थी। पुलिस ने शुरुआत में हादसे में मृत्यु का मामला दर्ज किया था।

घटना के बाद मृतक के भाई ने पुलिस अधिकारी को हत्या का शक होने की बात कही थी। इसके बाद पुलिस जांच में एक के बाद एक चौंकाने वाले खुलासे हुए। पुलिस ने मामले में सीसीटीवी के आधार पर कार ड्राइवर नीरज निमजे और सचिन धार्मिक को हिरासत में लेकर पूछताछ की। जांच में दोनों ने पुलिस को बताया कि उन्होंने अर्चना पुट्टेवार से पैसे लेकर उनके ससुर को कार से टक्कर मारी थी।

100 टन स्वर्ण भंडार भारत आया.....इस पर आरबीआई गर्वनर का बयान आया

नई दिल्ली (ईएमएस)। भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) के गवर्नर शक्तिकांत दास ने कहा कि केंद्रीय बैंक ब्रिटेन से 100 टन स्वर्ण भंडार भारत लाया है, क्योंकि देश में पर्याप्त भंडारण क्षमता है। इसका कोई और मतलब नहीं निकाला जाना चाहिए। आरबीआई ने वित्त वर्ष 2023-24 में ब्रिटेन में संग्रहीत अपने 100 टन सोने को घरेलू तिजोरियों में स्थानांतरित कर दिया है। यह 1991 के बाद सोने का सबसे बड़ा स्थानांतरण है। वर्ष 1991 में विदेशी मुद्रा संकट से निपटने के लिए सोने के बड़े हिस्से को गिरवी रखने के लिए तिजोरियों से बाहर निकाला गया था। दास ने कहा कि विदेशों में रखे गए सोने की मात्रा लंबे समय से स्थिर थी।

उन्होंने कहा, हाल के वर्षों में आंकड़े बताते हैं कि रिजर्व बैंक अपने भंडार के हिस्से के रूप में सोना खरीद रहा है और इसकी मात्रा बढ़ रही है। हमारे पास घरेलू (भंडारण) क्षमता है।'' गवर्नर ने कहा कि इसलिए यह निर्णय लिया गया कि भारत के बाहर रखे सोने को लाकर देश में रखा जाए। उन्होंने कहा, '' बस इतना ही। इसके और कोई मायने नहीं निकाले जाने चाहिए। आधिकारिक आंकड़ों के अनुसार, वित्त वर्ष 2023-24 में देश के कुल स्वर्ण भंडार में 27.46 टन की वृद्धि हुई और यह बढ़कर 822 टन हो गया। सूत्रों ने बताया कि सोने का एक बड़ा हिस्सा विदेश में जमा है। अन्य देशों की तरह भारत का सोना भी बैंक ऑफ इंग्लैंड के पास जमा है। भारत में 100 टन सोना वापस आने से स्थानीय स्तर पर भंडार में पड़े सोने की कुल मात्रा बढ़कर 408 टन से अधिक हो गई है। इसका अर्थ है कि स्थानीय और विदेशी होल्डिंग अब लगभग बराबर है। केंद्रीय बैंक की वार्षिक रिपोर्ट के अनुसार, 2023-24 में जारी किए गए नोटों के बदले स्थानीय स्तर पर 308 टन से अधिक सोना रखा गया है।

देश का विदेशी मुद्रा भंडार 651.5 अरब डॉलर के उच्च स्तर पर: दास

मुंबई (ईएमएस)। भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) के गवर्नर शक्तिकांत दास ने शुक्रवार को कहा कि देश का विदेशी मुद्रा भंडार 31 मई तक 651.5 अरब डॉलर के सर्वकालिक उच्चस्तर पर पहुंच गया है। इससे पिछले सप्ताह 24 मई को यह 646.67 अरब डॉलर पर था। इसके बाद से कुल कोष में 4.83 अरब अमेरिकी डॉलर की बढ़ोतरी हुई है। दास ने द्विमासिक नीति समीक्षा की घोषणा करते हुए अपने बयान में कहा ?कि एक नई उपलब्धि, देश का विदेशी मुद्रा भंडार 31 मई को 651.5 अरब अमेरिकी डॉलर के ऐतिहासिक उच्चस्तर पर पहुंच गया। इससे पहले 17 मई को विदेशी मुद्रा भंडार का सर्वकालिक उच्चतम स्तर 648.7 अरब अमेरिकी डॉलर था। विदेशी मुद्रा भंडार को किसी भी बाह्य क्षेत्र की गड़बड़ी को झेलने में अर्थव्यवस्था की समग्र ताकत का प्रतिनिधित्व करने वाले प्रमुख कारकों में से एक माना जाता है। दास ने कहा कि देश का बाह्य क्षेत्र जुझारू बना हुआ है। चालू खाते का घाटा (कैड), सकल घरेलू उत्पाद के अनुपात में बाह्य ऋण तथा शुद्ध अंतरराष्ट्रीय निवेश स्थिति में सुधार का उल्लेख करते हुए उन्होंने कहा कि प्रमुख बाह्य संकेतकों में सुधार जारी है। उन्होंने कहा ?कि कुल मिलाकर हमें अपनी बाह्य वित्तपोषण आवश्यकताओं को आसानी से पूरा करने का विश्वास है। गवर्नर ने कहा कि वित्त वर्ष 2024-25 के लिए चालू खाते का घाटा अपने टिकाऊ स्तर के भीतर रहने की संभावना है। उन्होंने प्रेषित धन, सेवा निर्यात और कम व्यापार घाटे से आने वाली मदद का संकेत दिया।

आरबीआई गवर्नर दास.....दरों पर कोई कार्रवाई संभव नहीं

नई दिल्ली (ईएमएस)। भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) के गवर्नर शक्तिकांत दास ने कहा कि केंद्रीय बैंक 'आगे के नीतिगत कदम' पर तभी विचार कर सकता है, जब आरबीआई को सकल मुद्रास्फीति चार प्रतिशत पर स्थिर रहने का भरोसा हो। दास ने कहा कि मुद्रास्फीति दर को चार प्रतिशत के लक्ष्य के अनुरूप लाना केंद्रीय बैंक का मुख्य उद्देश्य है। उन्होंने कहा, जब तक आरबीआई को मुद्रास्फीति के इस लक्ष्य के नीचे रहने का भरोसा नहीं होता, तब तक दरों पर कोई कार्रवाई संभव नहीं होगी।''

आरबीआई के अनुमानों के मुताबिक, उपभोक्ता मूल्य सूचकांक आधारित खुदरा मुद्रास्फीति दिसंबर तिमाही में 3.8 प्रतिशत पर आई है, लेकिन बाद में फिर से बढ़कर पांच प्रतिशत पर पहुंच रही है। दास ने कहा, ''मुद्रास्फीति को लक्ष्य के अनुरूप होना चाहिए और एक बार यह चार प्रतिशत पर पहुंच जाए तब इस वहीं रहना चाहिए। जब हमें भरोसा हो जाएगा कि यह चार प्रतिशत पर स्थिर रहेगी और आगे नहीं बढ़ेगी, तब हम आगे की मौद्रिक नीति कार्रवाई के बारे में सोच सकते है। रेपो दर फरवरी, 2023 से ही 6.5 प्रतिशत पर स्थिर बनी हुई है।

गर्वनर दास ने कहा कि वृद्धि और मुद्रास्फीति का सफर उम्मीदों के अनुरूप आगे बढ़ रहा है, लेकिन यह चार प्रतिशत की तरफ यात्रा का अंतिम पड़ाव है, जो सबसे मुश्किल या पेचीदा होगा। उन्होंने अमेरिकी फेडरल रिजर्व के कदमों से आरबीआई के नीतिगत कदम को अलग रखे जाने के बारे में पूछे जाने पर कहा कि रिजर्व बैंक फेडरल रिजर्व द्वारा दरों में कटौती करने का विकल्प चुनने पर भी दर में कटौती नहीं कर सकता है। आर्थिक वृद्धि के मोर्चे पर डिप्टी गवर्नर माइकल पात्रा ने कहा कि वित्त वर्ष 2023-24 के उच्च आधार-प्रभाव की वजह से चालू वित्त वर्ष के लिए 7.2 प्रतिशत का वृद्धि अनुमान थोड़ा कम है लेकिन अर्थव्यवस्था में वृद्धि की रफ्तार बहुत अधिक है।

तीसरी बार शपथ ले, विदेश यात्रा पर इटली जाएंगे पीएम मोदी

रोम (ईएमएस)। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी 9 जून को तीसरी बार शपथ लेने के तुरंत बाद अपनी पहली अंतरराष्ट्रीय यात्रा पर इटली जाने के लिए तैयार हैं। इटली की प्रधानमंत्री जॉर्जिया मेलोनी ने जी 7 शिखर सम्मेलन में भाग लेने के लिए निमंत्रण भेजा था, इस निमत्रंण को पीएम मोदी ने स्वीकार कर लिया है। जी7 देशों का शिखर सम्मेलन 13 से 15 जून तक पुगलिया में आयोजित किया जाएगा। विदेश मंत्रालय ने बताया कि पीएम मोदी ने गुरुवार को इटली की प्रधानमंत्री मेलोनी से बात कर जी7 शिखर सम्मेलन में निमंत्रण के लिए उन्हें धन्यवाद दिया। इस दौरान पीएम मोदी और जॉर्जिया मेलोनी के बीच मुलाकात होगी।

इस साल जी7 की अध्यक्षता इटलीकर रहा है। जी7 देशों में अमेरिका, ब्रिटेन, कनाडा, फ्रांस, जर्मनी, इटली और जापान शामिल हैं। यूरोपीय संघ इसमें अतिथि के रूप में चर्चा ले रहा है। अपनी यात्रा के दौरान पीएम मोदी अमेरिकी राष्ट्रपति जो बाइडन और दूसरे जी7 नेताओं से मिलने वाले है।

जी7 शिखर सम्मेलन के अलावा प्रधानमंत्री मोदी को 15 से 16 जून तक स्विटजरलैंड में होने वाले यूक्रेन शांति शिखर सम्मेलन में भी औपचारिक रूप से आमंत्रित किया गया है। हालांकि, अभी यह तय नहीं है कि पीएम मोदी इस कार्यक्रम में भाग लेने वाले हैं, या नहीं। रूस को इस सम्मेलन में आयोजित नहीं किया गया है। यूक्रेन के राष्ट्रपति वोलोदिमिरि जेलेंस्की ने पीएम मोदी को चुनाव में जीत के बाद भेजे अपने बधाई संदेश में शांति शिखर सम्मेलन में भाग लेने का आग्रह किया था।

खारे और कम पानी में भी पैदा होगी ज्वार

जयपुर (ईएमएस)। कोरोना महामारी के बाद ज्वार के गुण को सारे दुनिया ने जाना है। भारत में पहले यही भोजन का मुख्य आधार होता था। बाद में गेहूं और चावल ने इसका स्थान ले लिया। पिछले वर्षों में ज्वार की मांग एक बार फिर बढ़ गई है। 2023 को अंतरराष्ट्रीय पोषक अनाज वर्ष के रूप में मनाया गया है।

राजस्थान एग्रीकल्चर रिसर्च सेंटर द्वारा ज्वार की नई किस्म तैयार की गई है। इसका उत्पादन मैदानी इलाकों में हो सकेगा। कम और खारे पानी से भी नई किस्म की ज्वार का उत्पादन किया जा सकता है। जो नई किस्म तैयार की गई है। उसका विभिन्न केदो में ट्रायल हो रहा है। यह ज्वार बिना छिलके की होगी। इसका उपयोग भी गेहूं की तरह किया जा सकेगा।

ज्वार में पाए जाने वाला बीटा ग्लूकन स्वास्थ्य के लिए बहुत उपयोगी है। इसमें विटामिन और मिनरल भरपूर मात्रा में होते हैं। इससे ब्लड शुगर को भी कंट्रोल किया जा सकता है। जौ से बनी दवा काफी प्रभावी होती है।चॉकलेट, सिरप, कैंडी और जो युक्त दूध बनाने में भी जौ उपयोग में लाई जाती है।

पाकिस्तान समेत चार देश यूएनएससी के अस्थाई सदस्य बने

-पीएम शहबाज शरीफ बोले-यह पाकिस्तान के लिए खुशी के पल

इस्लामाबाद,(ईएमएस)। गरीबी और महंगाई से परेशान पाकिस्तान को सालों बाद खुश होने का अवसर मिला है। पाकिस्तान को यूनाइटेड नेशन सिक्योरिटी काउंसिल का अस्थाई सदस्य चुना गया है।

पाकिस्तान के साथ संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद के अस्थायी सदस्यों के रूप में चुने गए चार देश और हैं- सोमालिया, डेनमार्क, ग्रीस और पनामा। इन देशों का कार्यकाल 2025 से शुरू होगा। पाकिस्तान को यूएनएससी में अस्थाई सदस्य चुने जाने से पीएम शहबाज शरीफ काफी खुश नजर आ रहे हैं। उन्होंने इसको पाकिस्तान के लिए गौरव का पल बताया है।

शहबाज शरीफ ने एक्स पर पोस्ट में लिखा-'यह खुश होने का समय है कि पाकिस्तान को 182 वोट मिले हैं और वह 2025-26 के कार्यकाल के लिए संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद के लिए चुना गया। उन्होंने कहा कि पाकिस्तान वैश्विक चुनौतियों का समाधान करने के लिए अंतरराष्ट्रीय समुदाय के साथ मिलकर काम करने को उत्सुक है। हम राष्ट्रों के बीच शांति, स्थिरता और सहयोग को बढ़ावा देने में अपनी भूमिका निभाते रहेंगे।

संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद के अस्थायी सदस्यों के रूप में पांचों देशों को संयुक्त राष्ट्र महासभा में गुप्त मतदान द्वारा 1 जनवरी, 2025 से 31 दिसंबर, 2026 तक दो साल के लिए चुना गया है। अफ्रीकी और एशिया-प्रशांत देशों के लिए दो सीटों में से सोमालिया को 179 और पाकिस्तान को 182 वोट मिले। लैटिन अमेरिकी और कैरेबियाई देशों में पनामा को 183 वोट मिले, जबकि पश्चिमी यूरोपीय और अन्य देशों में डेनमार्क को 184 और ग्रीस को 182 वोट मिले।

बता दें कि पाकिस्तान को संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद के अस्थायी सदस्य के रूप में 8वीं बार चुना गया है। इस मौके पर पाकिस्तान ने कहा कि संयुक्त राष्ट्र चार्टर को बनाए रखने और युद्ध को रोकने और शांति को बढ़ावा देने के लिए हमेशा तत्पर रहेगा। पाकिस्तान वैश्विक समृद्धि के लिए अंतर्राष्ट्रीय सहयोग को बढ़ावा देने और मानवाधिकारों के लिए सार्वभौमिक सम्मान को बढ़ावा देने के लिए भी तत्पर है।

मंडी में प्याज की आवक कम.....आंसू निकलने को तैयार

नई दिल्ली (ईएमएस)। अब तक महंगाई से राहत दिला रहे प्याज के दाम अब उपभोक्ताओं के आंसू निकालने की तैयारी में हैं। बीते कुछ दिनों से मंडियों में प्याज की कीमतों में तेजी देखने को मिल रही है। इसकी वजह मंडियों में प्याज की आवक कम होना है। बीते महीनों में कम दाम मिलने से परेशान किसान मंडियों में प्याज कम ला रहे हैं। शर्तों के साथ प्याज के निर्यात पर रोक हटने से भी कीमतों में अब सुधार को बल मिला है।

मुख्य उत्पादक राज्य महाराष्ट्र की अहम मंडी पिंपलगांव में प्याज के थोक भाव एक जून को 400 से 2,400 रुपये थे, जो शुक्रवार को बढ़कर 800 से 2,900 रुपये क्विंटल हो गए। इस दौरान मंडी में प्याज की मॉडल (इसी भाव पर ज्यादातर बिक्री होती है) कीमत 2,000 रुपये से बढ़कर 2,450 रुपये क्विंटल हो गई है। दिल्ली की आजादपुर मंडी में इस दौरान प्याज के थोक भाव 750 से 2,000 रुपये से बढ़कर 1,000 से 2,500 रुपये क्विंटल हो चुके हैं। मंडियों में प्याज के दाम बढ़ने से खुदरा बाजार में भी प्याज की कीमतों में इजाफा हुआ है। केंद्रीय उपभोक्ता मामलों के विभाग के आंकड़ों के अनुसार एक जून को देश भर में प्याज की औसत खुदरा कीमत 31.84 रुपये थी, जो आज बढ़कर 32.93 रुपये किलो हो गई। इस दौरान दिल्ली में प्याज के औसत खुदरा भाव 30 रुपये से बढ़कर 35 रुपये और महाराष्ट्र में 28.42 रुपये से बढ़कर 31.26 रुपये किलो हो चुके हैं।

प्याज महंगा होने की सबसे बड़ी वजह इसकी आवक में कमी आना है। रिपोर्ट के मुताबिक इस महीने के 7 दिनों के दौरान मंडियों में करीब 2.43 लाख टन प्याज की आवक हुई है, जो पिछले साल की समान अवधि से करीब 40 फीसदी कम है।

साथ यह इस अवधि से पहले वाले 7 दिनों (25 से 31 मई) में हुई करीब 2.67 लाख टन आवक से भी करीब 9 फीसदी कम है। प्याज कारोबारी ने बताया कि बीते महीनों में भाव कम मिलने के कारण किसान मंडियों में प्याज कम ला रहे हैं। जिससे मंडियों में इसके भाव 500 रुपये क्विंटल तक चढ़ गए हैं। वहीं भारतीय सब्जी उत्पादक संघ के अध्यक्ष श्रीराम गाढवे ने कहा कि प्याज के निर्यात पर रोक हटने से सकारात्मक माहौल बनना भी प्याज के दाम बढ़ने का एक कारण हो सकता है। हालांकि शर्तें लागू होने से अभी बड़े स्तर पर निर्यात नहीं हो पा रहा है।

एवरेस्ट में मिले पांच कंकाल और 11 टन कचरा किया साफ

नेपाली सेना का पर्वत सफाई अभियान

काठमांडू (ईएमएस)। नेपाली सेना ने अपने लगभग दो माह लंबे पर्वत सफाई अभियान 2024 के तहत एवरेस्ट क्षेत्र से पांच पर्वतारोहियों के अवशेष और 11 टन कचरे को साफ किया है। नेपाली सेना ने माउंट एवरेस्ट 8848.86 मीटर की सबसे ऊंची चोटी, माउंट ल्होत्से और एवरेस्ट बेस कैंप के पास माउंट नुप्त्से क्षेत्र में सफाई अभियान चलाया।

नेपाली सेना ने 7 अप्रैल को अपने अभियान के घोषणा कर कहा कि इस पर्वत सफाई अभियान का उद्देश्य हिमालय में मानव निर्मित प्रदूषण पर नियंत्रण रखना है और पूरे इलाकों को गंदगी से बचाने के साथ-साथ जलवायु परिवर्तन के इस दौर में पहाड़ों पर प्रदूषण बड़ी समस्या बन गया है।

नेपाली सेना ने 11 अप्रैल से शुरू किए अपने सफाई अभियान शुरुआत में 10 टन कचरा साफ करने का लक्ष्य रखा था। सेना के मेजर आदित्य कार्की के नेतृत्व में अपनी 12 सदस्यीय टीम द्वारा माउंट पर भेजा था। टीम के साथ 18 सदस्यीय शेरपा टीम द्वारा मदद की गई थी।

वहीं, विश्व पर्यावरण दिवस पर अभियान के सफल समापन का जश्न मनाने के लिए आयोजित कार्यक्रम के दौरान थल सेनाध्यक्ष प्रभु राम शर्मा ने कहा, प्रतिकूल मौसम और परिस्थितियों के बावजूद, लगभग 11,000 किलोग्राम कचरा, चार लाशें और एक कंकाल मिला। इस मौके पर सेना प्रमुख ने कचरा और मानव अवशेषों को इकट्ठा करने में उनके बहुमूल्य योगदान के लिए शेरपा गाइडों सहित पर्वत सफाई अभियान के सदस्यों को भी सम्मानित किया।

सूडान में हुए हमले में 50 से अधिक लोगों की मौत

सूडान (ईएमएस)। सूडान के वद अल-नूरा गांव में रैपिड सपोर्ट फोर्स (आर.एस.एफ.) द्वारा किए गए हमले में दर्जनों लोगों की मौत हो गई है। यह हमला सूडान के अन्न भंडार क्षेत्र में स्थित गांव पर किया गया, जिससे एक साल से चल रहे क्रूर युद्ध में बड़ी संख्या में नागरिक हताहत हुए हैं। हमला किए जाने के बाद लगभग 50 लोगों के शवों को सामूहिक अंतिम संस्कार के लिए रखा गया, जबकि सैकड़ों ग्रामीण उन्हें देख रहे थे। इस हमले में दर्जनों बच्चों सहित कम से कम 104 लोग मारे गए। इस हमले की सटीक परिस्थितियों पर विवाद है, लेकिन बड़ी संख्या में लोगों की मौत और सामूहिक दफन की तस्वीरें सोशल मीडिया पर प्रसारित हुईं और न्यूयॉर्क टाइम्स द्वारा सत्यापित की गईं।

इस हमले की अंतरराष्ट्रीय स्तर पर निंदा की गई। सूडान में संयुक्त राष्ट्र की शीर्ष अधिकारी क्लेमेंटाइन एनक्वेटा-सलामी ने एक बयान में कहा, सूडान के संघर्ष के दुखद मानकों के अनुसार भी, वद अल-नूरा से उभरने वाली तस्वीरें दिल दहला देने वाली हैं।

यूनिसेफ की प्रमुख कैथरीन रसेल ने कहा कि वह हिंसा में कम से कम 35 बच्चों के मारे जाने और 20 के घायल होने की रिपोर्ट से भयभीत हैं। उन्होंने युद्धरत पक्षों से अंतर्राष्ट्रीय कानूनों का पालन करने का आह्वान किया। सूडान के सेना प्रमुख जनरल अब्देल फत्ताह अल-बुरहान ने गुरुवार को हमले में घायल ग्रामीणों से मुलाकात की। उन्होंने कहा कि सेना हत्याओं के लिए आर.एस.एफ. को कठोर जवाब देगी। यह गांव एक कृषि क्षेत्र में है जो कभी सूडान का अन्न भंडार था, लेकिन अब एक विशाल युद्ध का मैदान बन गया है।

तीसरी बार अंतरिक्ष पहुंची सुनीता विलियम्स ने डांस कर मनाया जश्न

ह्यूस्टन(ईएमएस)। भारतीय मूल की अंतरिक्ष यात्री सुनीता विलियम्स को बोइंग स्टारलाइनर अंतरिक्ष यान पर सवार होकर अंतर्राष्ट्रीय अंतरिक्ष स्टेशन (आईएसएस) पर पहुंचते हुए एक वायरल क्लिप में जोरदार डांस करते देखा गया। विलियम्स ने एक संक्षिप्त स्वागत समारोह के दौरान कहा, हम अंतरिक्ष में जाकर उतने ही खुश हैं जितना हो सकता है। द

राजकोट गेमिंग जोन में पिछले साल भी लगी थी आग

उच्च न्यायालय में मनपा ने अपने शपथ पत्र में और क्या कुछ कहा?

गेमिंग जोन चलाने के लिए फायर सेफ्टी व बीयू परमिशन भी नहीं था केवल पुलिस के लाइसेंस के बूते यह चल रहा था

अहमदाबाद, ०७ जून ।

राजकोट के गेमिंग जोन में गतवर्ष ४ सितंबर को भी आग लगी थी लेकिन महानगर पालिका के अधिकारियों की लापरवाही के चलते यह चलता रहा। गेमिंग जोन चलाने के लिए फायर सेफ्टी व बीयू परमिशन भी नहीं था केवल पुलिस के लाइसेंस के बूते यह चल रहा था। उच्च न्यायालय में मनपा की ओर से दिये गये शपथ पत्र में यह बात कही गई है।

राजकोट के गेमिंग जोन में गतवर्ष ४ सितंबर को भी आग लगी थी, लेकिन महानगर पालिका के अधिकारियों की लापरवाही के चलते यह चलता रहा। गेमिंग जोन चलाने के लिए फायर सेफ्टी व बीयू परमिशन भी नहीं था केवल पुलिस के लाइसेंस के बूते यह चल रहा था। उच्च न्यायालय में मनपा की ओर से दिये गये शपथ पत्र में यह बात कही गई है।

राजकोट महानगर पालिका मनपा की ओर से न्यायालय में प्रस्तुत शपथ पत्र में बताया गया है कि ४ सितंबर २०२३ में भी टीआरपी गेमिंग जोन में आग लगी थी, इसके बाद इसे ध्वस्त करने का नोटिस जारी किया गया, लेकिन टाउन प्लानिंग अधिकारियों की मिलीभगत के चलते यह अवैध रूप से चलता रहा। मनपा ने यह भी बताया कि गेमिंग जोन संचालकों के पास ना तो बिल्डिंग यूज परमिशन था, ना ही फायर सेफ्टी एनओसी या अन्य कोई अधिकृत स्वीकृति। केवल टिकट बुकिंग का पुलिस लाइसेंस लेकर ही गेमिंग जोन अवैध तरीके से चलाया जा रहा था।

उच्च न्यायालय की मुख्य न्यायाधीश सुनीता अग्रवाल की खंडपीठ ने इस पर स्वतः संज्ञान लेते हुए यह मामला न्यायाधीश बीरेन वैष्णव व न्यायाधीश देवन एम देसाई की खंडपीठ को सुनने के लिए सौंप दिया था। हाईकोर्ट एडवोकेट्स एसोसिएशन के अध्यक्ष ब्रिजेश त्रिवेदी ने इस मामले में राजकोट महानगर पालिका व राज्य सरकार की जिम्मेदारी तय करने की बात कही इस पर महाधिवक्ता कमल त्रिवेदी ने एडवोकेट्स एसोसिएशन के अध्यक्ष को इस मामले में पक्षकार नहीं बनाने की बात कही।

इस पर वरिष्ठ वकील ब्रिजेश त्रिवेदी ने कहा कि उनकी अपील के आधार पर ही न्यायालय ने इस मामले में स्वतः संज्ञान लिया ऐसे में उनको इस मामले पक्षकार बनने से नहीं रोका जा सकता है। इस मामले में अगली सुनवाई २६ जून को होगी। राजकोट के टीआपी गेमिंग जोन में गत २५ मई को आग लग गई थी जिसमें १२ बच्चों समेत २८ की मौत हो गई थी। शवों की हालत ऐसी हो गई थी कि पहचानने के लिए डीएनए परीक्षण करना पडा था। इस मामले में गेमिंग जोन के भागीदारों, मनपा अधिकारियों समेत एक दर्जन की धरपकड की गई साथ ही शहर पुलिस आयुक्त राजू भार्गव व मनपा आयुक्त आनंद पटेल का तबादला कर दिया गया था।

सीलिंग कार्यवाही से स्कूल संचालकों में नाराजगी, सील करने से पहले नोटिस और समय मांगा

अहमदाबाद (ईएमएस) राजकोट गेमिंग जोन अग्निकांड के बाद गुजरातभर में फायर सेफ्टी को लेकर स्थानीय प्रशासन द्वारा लगातार कार्यवाही की जा रही है ऐसे कॉमर्शियल कॉम्प्लेक्स, होटल-रेस्टोरंट, अस्पताल समेत स्कूलों को सील किया जा रहा है जहां फायर सेफ्टी का अभाव है अहमदाबाद में सीलिंग की कार्यवाही से स्कूल संचालक नाराज हैं और उनका कहना पहले नोटिस दो और उसके बाद कुछ समय दिर्या यदि उसके बाद भी फायर सेफ्टी की व्यवस्था नहीं की जाती है तो स्कूल को सील किया जाए बता दें कि राजकोट के टीआरपी गेमिंग जोन अग्निकांड में बच्चों समेत 28 जितने लोगों की मौत हो गई थी इस घटना के बाद गुजरात सरकार फायर सेफ्टी को लेकर किसी प्रकार का समझौता करने के पक्ष में नहीं है और इसी वजह से कॉमर्शियल कॉम्प्लेक्स, होटल-रेस्टोरंट, अस्पताल और स्कूलों में लगातार जांच की जा रही है और इसके अंतर्गत कई संपत्तियों को सील कर दिया गया है सरकार की ओर से अचानक शुरू की गई इस कार्यवाही से खासकर स्कूल संचालकों में व्यापक नाराजगी है स्कूल शुरू होने के आडे गिनती के दिन शेष रह गए हैं और ऐसे में स्कूल सील किए जाने से संचालकों ने इस कार्यवाही का विरोध किया है स्कूल संचालक मंडल के भास्कर पटेल ने कहा कि फायर सेफ्टी के अभाव वाली स्कूलों को सीधे सील करने के बजाए उन्हें समय दिया जाना चाहिए ताकि वह उचित व्यवस्था कर सके फायर सेफ्टी के अभाव या अन्य नियमों का उल्लंघन करने वाली वाली स्कूलों को पहले नोटिस के साथ 15 दिनों का समय दिया जाए और उसके बाद अगर फायर सेफ्टी के व्यवस्था नहीं की जाती है तो उसे सील किया जाए

एटीएस ने कच्छ से १३० करोड़ रुपए की कोकीन बरामद की

ड्रग्स की यह दूसरी बड़ी बरामदगी, गांधीधाम कस्बे के निकट एक खाड़ी क्षेत्र से कोकीन के १३ लावारिस पैकेट बरामद किए गए

अहमदाबाद, ०७ जून ।

गुजरात के कच्छ जिले में (५ जून) सुबह तड़के गांधीधाम शहर के पास तटीय क्षेत्र से भारी मात्रा में कोकीन बरामद हुई। मादक पदार्थ के करीब १३ लावारिस पैकेट इलाके से पाए गए। बरामद किए कोकीन की कीमत अंतरराष्ट्रीय बाजार में करीबन १३० करोड़ रुपए बताई जा रही है।

गुजरात के तटीय इलाकों से फिर एक बार एटीएस की टीम को मिला मादक पदार्थ का बड़ा खजाना। गुजरात में इससे पहले भी कई बार करोड़ों-अरबों का नशे का सामान पकड़ा जा चुका है। इस बरामदगी के बाद पुलिस और एटीएस की टीम तुरंत हरकत में आई है।

कच्छ जिले में गांधीधाम कस्बे के निकट एक खाड़ी क्षेत्र से कोकीन के १३ लावारिस पैकेट बरामद किए गए। इनकी अंतरराष्ट्रीय बाजार में कीमत १३० करोड़ रुपए आंकी गई है। आठ माह में इस क्षेत्र से ड्रग्स की यह दूसरी बड़ी बरामदगी है। इस मामले में कई अज्ञात व्यक्तियों के खिलाफ मामला दर्ज किया गया है। एटीएस आगे मामले की जांच कर रही है। शुरुआती जांच से पता चला है कि तस्करों ने गिरफ्तारी से बचने के लिए ड्रग्स को समुद्र के किनारे छिपा दिया था।

पिछले साल सितंबर में कच्छ-पूर्व पुलिस ने इसी क्षेत्र से कोकीन के ८० लावारिस पैकेट बरामद किए थे, जिनमें से प्रत्येक का वजन एक किलोग्राम था और अंतर्राष्ट्रीय बाजार में इनकी कुल कीमत ८०० करोड़ रुपये आंकी गई थी।

एटीएस, पूर्वी कच्छ एसओजी, एलसीबी द्वारा की गई कार्रवाई के बाद स्थानीय बी-डिवीजन की टीमें भी मौके पर पहुंचीं

एटीएस आगे की जांच कर रही है। हमने तड़के कच्छ में गांधीधाम के पास एक खाड़ी क्षेत्र से कोकीन के १३ लावारिस पैकेट बरामद किए हैं, जिनमें से हर एक का वजन एक किलोग्राम है। पुलिस अधीक्षक, एटीएस, सुनील जोशी ने कहा, हमने अज्ञात व्यक्तियों के खिलाफ मामला दर्ज किया है और आगे की जांच जारी है। पिछले साल सितंबर में कच्छ-पूर्व पुलिस ने उसी क्षेत्र से कोकीन के ८० लावारिस पैकेट बरामद किए थे, जिनमें से प्रत्येक का वजन एक किलोग्राम था और अंतरराष्ट्रीय बाजार में इसकी सामूहिक कीमत ८०० करोड़ रुपये थी।

चुनाव जीतने के बाद गेनीबेन ठाकोर ने कांग्रेस संगठन पर उठाए सवाल, भाजपा की तारीफ की

अहमदाबाद (ईएमएस) उत्तर गुजरात की बनासकांठा लोकसभा सीट से निर्वाचित कांग्रेस प्रत्याशी गेनीबेन ठाकोर ने भाजपा की जीत की हैट्रिक पर ब्रेक लगा दी चुनाव जीतने के बाद कांग्रेस की नवनिर्वाचित सांसद गेनीबेन ठाकोर ने भाजपा संगठन की तारीफ की तो अपने पार्टी के संगठन को लेकर आक्रोश व्यक्त किया गेनीबेन ने कहा कि कांग्रेस से चुनाव लड़ने वाले को अपने समाज के दम पर ही चुनाव लड़ना होगा अगर समाज का साथ नहीं मिला तो उम्मीदवार को सफलता नहीं मिल सकती उन्होंने कहा कि कांग्रेस के संगठन में सिस्टम के अभाव है और यह अभाव जब तक रहेगा कांग्रेस को सफलता नहीं मिल सकती बता दें कि 2014 और 2019 में भाजपा ने गुजरात की सभी 26 सीटों पर जीत दर्ज की थी और 2024 के लोकसभा चुनाव में वह हैट्रिक लगाने को तैयार थी लेकिन बनासकांठा सीट से कांग्रेस प्रत्याशी गेनीबेन ठाकोर ने भाजपा की जीत की उम्मीदों पर पानी फेर दिया गेनीबेन ठाकोर बनासकांठा सीट से 20 हजार से भी अधिक वोटों के अंतर से चुनाव जीत गई जीत के बाद गेनीबेन ठाकोर ने अपने तेवर दिखाने शुरू कर दिए हैं और यह तेवर किसी और के लिए नहीं बल्कि कांग्रेस संगठन को लेकर दिखाए हैं उन्होंने स्पष्ट रूप से कहा कि कांग्रेस में आज ऐसी स्थिति है जिसमें किसी भी उम्मीदवार को चुनाव लड़ना है तो उसे दम लड़ना पड़ेगा कांग्रेस संगठन पूरी तरह निष्क्रिय है और यही वजह है कि चुनाव लड़ने वाले उम्मीदवारों को सफलता नहीं मिलती गेनीबेन ठाकोर ने भाजपा की प्रशंसा करते हुए कहा कि उसका संगठन एकजुट होकर चुनाव लड़कर सफलता हासिल करता है भाजपा के मुकाबले कांग्रेस के सिस्टम काफी अंतर है कांग्रेस से अगर कोई लड़ना चाहता है तो उसे अपने दम पर लड़ना होगा जिस कांग्रेस चुनाव लड़ने लगेगी उस दिन कांग्रेस को सफलता मिलेगी कांग्रेस की नवनिर्वाचित सांसद ने कहा कि जो कोई भी पार्टी विरोधी गतिविधियों लिप्त था या है उसे तुरंत संगठन से बाहर करने देना चाहिए इससे कांग्रेस को कोई नुकसान नहीं बल्कि फायदा ही होगा गेनीबेन ने कहा कि मैं किसी को नसीहत देने में सक्षम नहीं हूं, लेकिन मेरे साथ जो हुआ है वह भविष्य में किसी अन्य उम्मीदवार के साथ ना हो इसलिए मुझे कहना पड़ रहा है गेनीबेन ठाकोर के बयान से नाराज बनासकांठा कांग्रेस प्रमुख भरतसिंह वाघेला ने पोस्ट कर अपने विरोध दर्ज कराया है

भावनगर के समुद्र में डूब रहे एक परिवार के 5 लोगों को बचाकर अस्पताल पहुंचाया

भावनगर (ईएमएस) भावनगर के समुद्र में डूबने से पांच लोगों के डूबने की खबर सामने आई है हालांकि परिवार के सभी लोगों को बचा लिया गया है और अस्पताल में भर्ती करा दिया गया है जानकारी के मुताबिक भावनगर का परिवार निष्कलंक महादेव के दर्शन के लिए आया था। अतः दर्शन करने वाले सभी लोग समुद्र में स्नान करने चले गये। समुद्र में नहाने के दौरान एक ही परिवार के पांच लोग डूबने लगे हालांकि समुद्र में नहाने गए एक ही परिवार के 5 सदस्यों को स्थानीय लोगों ने तुरंत बचा लिया और इलाज के लिए अस्पताल पहुंचा दिया सभी लोगों को इलाज के लिए भावनगर सर टी अस्पताल में स्थानांतरित कर दिया गया है। जिसमें तीन लोगों की हालत गंभीर बताई जा रही है बता दें किबीते कुछ दिनों के भीतर समुद्र, नदी और झील में डूबने में कई घटनाएं सामने आई हैं जिसमें कई लोगों की मौत भी हो चुकी है दरअसल राज्य में भीषणगर्मी पड़ रही है और इससे राहत पाने के लोग समुद्र तट और नदी पर नहाने चले जाते हैं

हाईवे पर ट्रक व कार की भिड़ंत, 4 परिजनों की मौत, 2 लोग गंभीर घायल

राजकोट (ईएमएस)। गुजरात के साबरकांठा के ईडर-हिम्मतनगर हाईवे पर शुक्रवार सुबह-सुबह ट्रक और एक कार की भिड़ंत में एक ही 4 परिजनों की मौत हो गई, जबकि 2 लोग गंभीर घायल हो गए। घालयों को इलाज के लिए पास के अस्पताल में भर्ती करा कर उनका इलाज किया जा रहा है।

इस हादसे के संबंध में जानकारी देते हुए पुलिस ने बताया कि साबरकांठा के ईडर-हिम्मतनगर हाईवे पर शुक्रवार सुबह एक ट्रक और कार में भिड़ंत हो गई। हादसे में कार पूरी तरह से क्षतिग्रस्त हो गई है। हादसे में एक ही परिवार के 4 लोगों की मौत हो गई और दो अन्य लोग गंभीर रूप से घायल हो गए हैं। घायलों को इलाके के लिए नजदीकी अस्पताल में भर्ती कराया गया है। पुलिस के अनुसार ये सभी लोगों हिम्मतनगर बर्थडे पार्टी में शामिल हो कर अपने घर लौट रहे थे। उसी वक्त ये हादसा हुआ है। मारने वालों में 7 महीने की एक मासूम बच्ची भी शामिल है।

इन्टीग्रेटेड कोचिंग डिपो कांकरिया में सीपीआर और फर्स्ट एड कार्यशाला का आयोजन

पश्चिम रेलवे के अहमदाबाद मण्डल पर इंटीग्रेटेड कोचिंग डिपो कांकरिया में सीपीआर सप्ताह के अंतर्गत सीपीआर और प्राथमिक चिकित्सा (फर्स्ट एड) कार्यशाला का आयोजन किया गया। वरिष्ठ कोचिंग डिपो अधिकारी कांकरिया श्री मेघराज तांतेड सहित उनकी टीम के अधिकारियों और पर्यवेक्षकों की टीम और लगभग 75 कर्मचारियों ने प्रशिक्षण लिया। एचसीजी हॉस्पिटल्स के क्रिटिकल केयर कंसल्टेंट डॉ. बिनीत झवेरी ने बेसिक लाइफ सपोर्ट (बीएलएस) और सीपीआर तकनीकों तथा मण्डल रेलवे हॉस्पिटल के वरिष्ठ मंडल चिकित्सा अधिकारी डॉ. सुशांत रंजन ने प्राथमिक चिकित्सा (फर्स्ट एड) का प्रशिक्षण दिया।

मुख्य चिकित्सा अधीक्षक श्रीमती डॉ. भानुमती शेखर ने बताया की कार्डियोपल्मोनरी रिससिटेशन एक जीवनरक्षक तकनीक है जो आपात स्थितियों में उपयोगी होती है जिसमें किसी की सांस या दिल की धड़कन रुक जाने पर सीपीआर देकर लोगों का जीवन बचाया जा सकता है। इस कार्यशाला में कांकरिया डिपो के बड़ी संख्या में रेलकर्मियों ने सक्रिय भागीदारी की। अधिकारियों और पर्यवेक्षकों सहित सभी उपस्थित लोगों को सीपीआर का व्यावहारिक प्रशिक्षण दिया गया। एचसीजी अस्पताल द्वारा प्रशिक्षण प्राप्त करने वाले कर्मचारियों को भागीदारी प्रमाण पत्र दिया जाएगा। यह एक बहुत ही संवादात्मक कार्यक्रम था जिसमें अधिकारियों और पर्यवेक्षकों सहित सभी उपस्थित लोगों ने सक्रिय भागीदारी की। प्रतिष्ठित चिकित्सकों के मार्गदर्शन में आयोजित इस कार्यशाला का उद्देश्य रेलवे कर्मियों को आवश्यक जीवन रक्षक कौशल से लैस करना है।

अहमदाबाद में निकलेगी 15 किलोमीटर लंबी जगन्नाथ रथ यात्रा

अहमदाबाद। जमालपुर जगन्नाथ मंदिर ट्रस्ट अहमदाबाद में भगवान जगन्नाथ की 147वीं रथ यात्रा निकाली जाएगी। जिसको लेकर मंदिर ट्रस्ट गुजरात में प्रशासनिक और पुलिस अधिकारियों के साथ मिलकर तैयारियों में जुटी है।

7 जुलाई को होने वाले इस कार्यक्रम में भगवान जगन्नाथ, उनके भाई बलराम और बहन सुभद्रा शहर भ्रमण पर निकलेंगे, जिसमें दुनिया भर से हजारों श्रद्धालु शामिल होंगे। कार्यक्रम की सुरक्षा और सुचारू क्रियान्वयन सुनिश्चित करने के लिए व्यापक तैयारियां की गई हैं। अहमदाबाद पुलिस ने अपराध शाखा के साथ मिलकर कई उच्च तकनीक उपाय और रणनीतिक तैनाती लागू की है। एक अधिकारी ने बताया कि सुरक्षा प्रोटोकॉल के तहत रथ यात्रा के 15 किलोमीटर के मार्ग पर 1500 से ज़्यादा सीसीटीवी कैमरे लगाए जाएंगे। उन्होंने बताया कि पैदल गश्त भी बढ़ा दी गई है और 1100 क्राइम ब्रांच के जवान संवेदनशील इलाकों पर सक्रियता से नजर रख रहे हैं।

उन्होंने कहा, इस तैनाती में निगरानी और घटना प्रतिक्रिया क्षमताओं को बढ़ाने के लिए 3डी मैपिंग और एआई तकनीक शामिल है। विभिन्न वाहनों में मोबाइल कैमरे और अधिकारियों के साथ पॉकेट कैमरे भी व्यापक सुरक्षा व्यवस्था का हिस्सा हैं। जमालपुर जगन्नाथ मंदिर ट्रस्ट अहमदाबाद में भगवान जगन्नाथ की 147वीं रथ यात्रा निकाली जाएगी। जिसको लेकर मंदिर ट्रस्ट गुजरात में प्रशासनिक और पुलिस अधिकारियों के साथ मिलकर तैयारियों में जुटी है। 7 जुलाई को होने वाले इस कार्यक्रम में भगवान जगन्नाथ उनके भाई बलराम और बहन सुभद्रा शहर भ्रमण पर निकलेंगे जिसमें दुनिया भर से हजारों श्रद्धालु शामिल होंगे।

उन्होंने कहा कि हवाई निगरानी और वास्तविक समय की निगरानी के लिए ड्रोन का उपयोग काफी बढ़ा दिया गया है। जमालपुर जगन्नाथ मंदिर ट्रस्ट भी यात्रा के सुचारू संचालन के लिए अहमदाबाद पुलिस और अन्य प्रशासनिक निकायों के साथ समन्वय कर रहा है।

टोयोटा किर्लोस्कर मोटर ने नई दिल्ली में अपनी पहली कंपनी के स्वामित्व वाली टोयोटा यूज्ड कार आउटलेट (टीयूसीओ) सुविधा शुरू की

नई दिल्ली, 07 जून 2024 : ग्राहक सबसे पहले के अपने दर्शन के प्रति अपनी प्रतिबद्धता दिखाते हुए, टोयोटा किर्लोस्कर मोटर (टीकेएम) ने आज नई दिल्ली में अपनी पहली, कंपनी के स्वामित्व वाली टोयोटा यूज्ड कार आउटलेट (टीयूसीओ) का उद्घाटन किया। यह भारत में दूसरा है, जिसका ब्रांड नाम टटोयोटा यू-ट्रस्ट ठ है। ग्राहकों को उच्च गुणवत्ता वाली और सुरक्षित यूज्ड (प्रयुक्त) कारें प्रदान करने के उद्देश्य से टोयोटा, यू-ट्रस्ट टोयोटा कारों की खरीद और बिक्री की प्रक्रिया के दौरान सुविधा, पारदर्शिता और मन की शांति प्रदान करता है। इस नई सुविधा का विस्तार 15,000 वर्ग फीट में है, जिसमें 20 से अधिक टोयोटा प्रमाणित वाहनों को प्रदर्शित करने की जगह है।

टोयोटा वाहनों की खरीद और बिक्री दोनों के लिए एक रिटेल टचपॉइंट के रूप में, टीयूसीओ में सभी कारें टोयोटा वैश्विक मानकों के आधार पर 203-बिंदु वाले व्यापक निरीक्षण से गुजरती हैं ताकि गुणवत्ता का स्तर निर्धारित किया जा सके। इसके लिए सेवा इतिहास की जांच सहित दस्तावेजों को भी परखा जाता है और उचित जांच के बाद निरीक्षणों में कठोर सुरक्षा, संरचनात्मक कठोरता और प्रदर्शन जांच भी शामिल है। टोयोटा के लिए विशेष रूप से 'उच्च गुणवत्ता वाली बारीक सफाई' को दिखाने वाले सिग्नेचर 'मारू या एमएआरयू' के साथ, टीयूसीओ व्यवसाय देश भर में टोयोटा ग्राहकों के लिए एक पारदर्शी और विश्वसनीय प्रयुक्त कार बाजार को बढ़ावा देने के लिए टीकेएम की प्रतिबद्धता को मजबूत करता है। इसके अलावा, टोयोटा यू-ट्रस्ट आउटलेट नए वाहन खरीदने जैसा माहौल और ग्राहक अनुभव को दोहराने का प्रयास करता है।

भारत के माननीय पूर्व उपराष्ट्रपति श्री एम. वेंकैया नायडू आईआरएमए के 43वें दीक्षांत समारोह में मुख्य अतिथि के रूप में शामिल हुए

आनंद, 07 जून, 2024: श्री एम. भारत के माननीय पूर्व उपराष्ट्रपति वेंकैया नायडू 7 जून, 2024 को टीके पटेल सभागार में इंस्टीटयूट ऑफ रूरल मैनेजमेंट आनंद (आईआरएमए) के 43वें दीक्षांत समारोह में मुख्य अतिथि थे। एनडीडीबी परिसर, आनंद। साथ में डॉ. मिनेश शाह, अध्यक्ष, आईआरएमए और एनडीडीबी और डॉ. आईआरएमए के निदेशक उमाकांत दाश शामिल हुए। समारोह के दौरान कुल 303 छात्रों को डिग्री प्रदान की गई।

दीक्षांत समारोह से पहले, भारत के माननीय पूर्व उपराष्ट्रपति ने छात्रों के आराम और भलाई के लिए आधुनिक सुविधाओं के साथ तकनीकी परामर्श के आधार पर एनडीडीबी द्वारा निर्मित 126 कमरों वाले छात्रावास ब्लॉक का भी उद्घाटन किया। बाद में उन्होंने डॉ. मिनेश शाह और डॉ. उमाकांत दाश के साथ आईआरएमए परिसर का दौरा किया।डॉ. मीनेश शाह, निदेशक मंडल, डॉ. मुख्य अतिथि के उमाकांत दास, संकाय सदस्यों और छात्रों के साथ जुलूस में शामिल होने के तुरंत बाद दीक्षांत समारोह शुरू हुआ।

अपने संबोधन में आईआरएमए के संस्थापक अध्यक्ष माननीय पूर्व उपराष्ट्रपति डॉ. वर्गीस ने कुरियन को राष्ट्र के प्रति उनके गहन नेतृत्व के लिए याद किया। डॉ। मुख्य अतिथि ने कहा, कुरियन का प्रभाव राष्ट्रीय डेयरी विकास बोर्ड, आईआरएमए और कई अन्य संस्थानों में गूंजा, जिन्होंने हमारे देश के भविष्य को आकार दिया है। ग्रामीण विकास और प्रबंधन के प्रति अपनी अटूट प्रतिबद्धता के साथ, इन संस्थानों ने भविष्य के भारत की नींव रखी है। उन्होंने आईआरएमए के स्नातक बैच से आजीवन सीखने और व्यक्तिगत विकास के लिए प्रतिबद्ध रहने का आग्रह किया। उन्होंने कहा कि दुनिया तेजी से विकास कर रही है और उसी के अनुसार छात्रों को अपने कौशल और ज्ञान को विकसित करने की जरूरत है। उन्होंने 2024 के स्नातक वर्ग को उनकी उल्लेखनीय उपलब्धियों के लिए फिर से बधाई दी और आईआरएमए के पवित्र हॉल को छोड़कर बाहरी दुनिया में प्रवेश करने पर उन्हें शुभकामनाएं दीं। इस प्रकार वे उत्कृष्टता, सत्यनिष्ठा और सेवा के मूल्यों को कायम रखते हैं जो एक प्रतिष्ठित संगठन को परिभाषित करते हैं।

आईआरएमए सोसायटी के सदस्य,

नीट के नतीजों पर आशंका और विवादों का जवाब देने से क्यों भाग रही है सरकार : कांग्रेस

अहमदाबाद (ईएमएस) गुजरात प्रदेश कांग्रेस कमेटी के मीडिया संयोजक एवं प्रवक्ता मनीष दोशी ने कहा कि नीट के नतीजों में भारी गड़बड़ी की आशंका है जिसे लेकर 24 लाख युवाओं और उनके अभिभावकों में भारी बेचैनी है और इस संदर्भ में न तो राष्ट्रीय परीक्षण एजेंसी (एनटीए) और न ही केंद्र सरकार विवादों, आशंकाओं और सवालों का जवाब दे रही है। एनटीए और सरकार दोनों ही छात्र-अभिभावकों के सवालों का जवाब देने से भाग रहे हैं नीट परीक्षा में 67 उम्मीदवारों ने 720/720 अंक यानी 100 फीसदी स्कोर हासिल किया लेकिन अगर आप पिछले वर्षों के टॉपर्स पर नजर डालें तो साल 2019 में 1 टॉपर, साल 2020 में 1 टॉपर, साल 2021 में 3 टॉपर, साल 2022 में 1 टॉपर, साल 2023 में 2 टॉपर और साल 2024 में 67 टॉपर यह अपने आप में असंभव लगता है, क्योंकि नीट पेपर में हर गलत उत्तर के लिए नेगेटिव मार्किंग होती है। क्या ऐसा हो सकता है कि 67 लोगों ने 100 प्रतिशत सही उत्तर दिये हों? ये संयोग है या प्रयोग? नीट के 67 टॉपर्स में से 44 टॉपर ग्रेस मार्क्स के आधार पर टॉपर बन गए हैं क्या यह स्वयं अंकन की प्रक्रिया और परीक्षा प्रणाली की विश्वसनीयता और वैधता पर सवाल नहीं उठाता है? एक और आश्चर्यजनक बात यह है कि सीरियल नंबर 62 से 69 वाले नीट टॉपर हरियाणा के फरीदाबाद में एक ही परीक्षा केंद्र से आते हैं। उनमें से 6 ने 720/720 अंकों के साथ नीट टॉप किया और 2 को 720 अंकों में से 718 और 719 अंक मिले। ये अपने आप में चमत्कार भी है और आश्चर्यजनक भी लेकिन एनटीए और केंद्र सरकार इसे सही ठहरा रही हैं क्या आम आदमी इसे संयोग मानेगा या भाजपा का प्रयोग? एनटीए द्वारा ग्रेस मार्क्स प्रदान किया गया। सवाल यह उठता है कि जब एनटीए प्रॉस्पेक्टस, नीट ब्रोशर और सरकारी निर्देश में इस आधार पर ग्रेस मार्क्स देने का कोई प्रावधान नहीं है, तो फिर ये ग्रेस मार्क्स किस आधार पर दिए जाते हैं? क्या इस संबंध में केंद्र सरकार द्वारा कोई सार्वजनिक सूचना या घोषणा जारी की गई थी? क्या किसी अन्य केंद्र में भी इसी प्रकार अनुग्रह अंक दिये गये थे? नीट परीक्षा 5 मई, 2024 को आयोजित की गई थी और परिणाम 14 जून, 2024 को घोषित किया जाना था। फिर अचानक 4 जून 2024 को रिजल्ट घोषित कर दिया गया ये वही दिन था जब देश के संसदीय चुनाव के नतीजे आए थे और पूरा देश लोकसभा चुनाव के नतीजे सुनने में व्यस्त था क्या तमाम आशंकाओं और विवादों पर पर्दा डालने के लिए यह नीट रिजल्ट जल्दबाजी में जारी किया गया? ये संयोग है या प्रयोग? एनटीए की यह कैसी नीट परीक्षा प्रणाली है,

निफ्ट गांधीनगर ने अहमदाबाद फैशन वीक '24 में भाग लिया

अहमदाबाद, 7 जून, 2024 - निफ्ट गांधीनगर ने गर्व से हयात रीजेंसी, अहमदाबाद में प्रतिष्ठित अहमदाबाद फैशन वीक '24 में अपनी भागीदारी की घोषणा की। समीर सूद के दूरदर्शी नेतृत्व में, संस्थान के फैशन डिजाइन छात्रों के बैच 2020-24 ने फैशन उद्योग में स्थिरता की वकालत करते हुए अपनी अनुकरणीय प्रतिभा का प्रदर्शन किया।

स्थिरता-पर्यावरण और मानव कल्याण पर एक समग्र परिप्रेक्ष्यठ विषय पर, प्रदर्शनी केवल पर्यावरण संरक्षण से परे है, जो स्थिरता, मानव स्वास्थ्य और पारिस्थितिक संतुलन के बीच सहजीवी संबंधों पर जोर देती है।

निफ्ट गांधीनगर डिजाइनरों द्वारा प्रस्तुत डिजाइनों ने कपड़े और तेज फैशन उद्योग में अधिक खपत के हानिकारक प्रभावों का मुकाबला करने के लिए मात्रा से अधिक गुणवत्ता को प्राथमिकता देते हुए सावधानीपूर्वक खपत की अनिवार्यता पर प्रकाश डाला। सुश्री वैष्णवी, सुश्री चैतन्य कोहली, सुश्री गौरी मीणा, सुश्री कशिश पटेल, सुश्री सानिका परब, सुश्री श्रेया टिडके और सुश्री सृष्टि पाटिल के नेतृत्व में संग्रह ने जिम्मेदार संसाधन प्रबंधन और नवीकरणीय विकल्पों की तत्काल आवश्यकता को रेखांकित किया।

प्रो. डॉ. समीर सूद ने कहा, स्थिरता केवल एक प्रवृत्ति नहीं है, बल्कि एक नैतिक अनिवार्यता हैठ ठहमारे डिजाइनरों ने एनआईएफटी गांधीनगर के लोकाचार को दर्शाते हुए पर्यावरण प्रबंधन और सामाजिक जिम्मेदारी के लोकाचार के साथ प्रत्येक टुकड़े को सावधानीपूर्वक तैयार किया है।

रोबोटिक स्पाइन सर्जरी से रीढ़ की देखभाल में क्रांति आ गई

गुजरात में पहली बार उन्नत रोबोटिक स्पाइन सर्जरी का शुभारंभ

पूरे भारत में सैकड़ों मामलों का सफलतापूर्वक इलाज किया गया है

अहमदाबाद, 7 जून-2024: रीढ़ की हड्डी की समस्याएं जैसे हर्नियेटेड डिस्क, स्पाइनल स्टेनोसिस, स्कोलियोसिस और अपक्षयी डिस्क रोग किसी व्यक्ति के जीवन की गुणवत्ता को महत्वपूर्ण रूप से प्रभावित कर सकते हैं। पारंपरिक उपचार विधियों में अक्सर खुली सर्जरी शामिल होती है, जो आक्रामक हो सकती है और व्यापक पुनर्प्राप्ति अवधि की आवश्यकता होती है, जिससे जटिलताओं का उच्च जोखिम होता है। इसके विपरीत, रोबोटिक स्पाइन सर्जरी कई फायदों के साथ न्यूनतम इनवेसिव समाधान प्रदान करती है।

रोबोटिक स्पाइन सर्जरी में छोटे चीरे लगाए जाते हैं, जिसके परिणामस्वरूप ऊतक क्षति कम होती है और उपचार तेजी से होता है। रोबोटिक प्रणालियों द्वारा प्रदान की गई बढ़ी हुई सटीकता जटिलताओं के जोखिम को कम करती है और सर्जिकल परिणामों में सुधार करती है। परिणामस्वरूप, मरीजों को आमतौर पर कम समय के लिए अस्पताल में रहने की आवश्यकता होती है, जिससे सामान्य गतिविधियों में जल्दी वापसी की सुविधा मिलती है।

स्तव्य स्पाइन हॉस्पिटल ने रोबोटिक स्पाइन सर्जरी के बारे में जागरूकता के लिए एक प्रेस मीट का आयोजन किया जिसमें डॉ. भरत दवे, डॉ. मिरांट डेव, डॉ. शिवानंद, डॉ. रवि रंजन राय एवं डॉ. अजय कृष्णन सहित जाने-माने डॉक्टरों ने स्पाइन सर्जरी के इस परिवर्तनकारी दृष्टिकोण पर अपनी अंतर्दृष्टि और अनुभव साझा किए।

स्तव्य स्पाइन हॉस्पिटल के संस्थापक और सलाहकार स्पाइन सर्जन डॉ. नई तकनीक के बारे में अपना उत्साह व्यक्त करते हुए, भरत दवे ने कहा, ठहमारे संस्थान में रोबोटिक स्पाइन सर्जरी की शुरुआत रोगियों के लिए सटीक और न्यूनतम आक्रामक उपचार विकल्प प्रदान करने की दिशा में एक महत्वपूर्ण पहल है। रीढ़ की हड्डी के विकारों के साथ, यह तकनीक बेहतर परिणाम और सुधार लाएगी।ठ हमारे रोगियों के लिए जीवन की गुणवत्ता।ठ हमारी क्षमता बढ़ती है।

स्तव्य स्पाइन हॉस्पिटल एंड रिसर्च सेंटर में ऑर्थोपेडिक स्पाइन सर्जन (एमएस) डॉ. मिरांट डेव ने रोबोट-सहायक प्रक्रियाओं के लाभों पर प्रकाश डालते हुए कहा, "रोबोटिक तकनीक सर्जिकल प्रक्रियाओं की सटीकता को बढ़ाती है, पुनर्प्राप्ति समय को कम करती है और समग्र रोगी परिणामों में सुधार करती है। यह अभिनव दृष्टिकोण हमें जटिल रीढ़ की समस्याओं का अधिक सटीकता के साथ इलाज करने और सुरक्षा के साथ संबोधित करने की अनुमति देता है। ।"

शेमारूमी पर 'लगन स्पेशल' के वर्ल्ड डिजिटल प्रीमियर के साथ मनाइए सबसे बड़ी गुजराती शादी का जश्न!

'लगन स्पेशल' एक दिल छू लेने वाली गुजराती कॉमेडी-फिल्म है, जिसमें मल्हार ठक्कर और पूजा जोशी की केमिस्ट्री का तड़का नज़र आएगा

अहमदाबाद : भारतीयों का उनकी शादियों के प्रति एक गहरा गहरा जुड़ाव है। शादी का मौसम करीब है और बहुत से लोग शादी के उत्सव की रौनक में शामिल होने क लिए उत्साहित हैं। इस बात का ख़ास ख़्याल रखते हुए शेमारूमी ने बहुप्रतीक्षित गुजराती पारिवारिक कॉमेडी-ड्रामा 'लगन स्पेशल' का वर्ल्ड डिजिटल प्रीमियर प्रस्तुत करने का फैसला किया है। इस फिल्म में दर्शकों की चहेती जोड़ी मल्हार ठक्कर और पूजा जोशी के साथ मित्रा गढ़वी भी नज़र आएंगी। 'लगन स्पेशल' में रोमांस, ड्रामा, कॉमेडी और गुजराती परिवार की शादी की मिठास और अनोखे ट्विस्ट का बेहतरीन मिश्रण देखने को मिलेगा। शेमारूमी पर एक्सक्लूसिव तौर पर प्रीमियर हो रही फिल्म 'लगन स्पेशल' दर्शकों के ढ